वर्ष : 33 ▸ अंक : 236 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, मंगलवार, 12 नवंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

DBD दो बजे दोपहर

प्रमुख संकल्प

1. **लाडकी बहिन योजना** से हर महिला को मिलेंगे **₹2,100 प्रति माह, सालाना कुल ₹25,200**
2. किसानों का **ऋण करेंगे माफ,** सम्मान राशि को ₹12,000 से बढ़ाकर **₹15,000** और **MSP** के समन्वय में **20% तक भावांतर योजना लागू**
3. हर **गरीब परिवार को मिलेगी खाद्य सुरक्षा और पक्के घर** का अधिकार
4. **वृद्धावस्था पेंशन ₹1,500** से बढ़ाकर **₹2,100 करेंगे**
5. महंगाई से मिलेगी राहत, **आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को करेंगे स्थिर**
6. 10 लाख विद्यार्थियों को **₹10,000 मासिक समर्थन** राशि और **25 लाख रोजगार** के नए अवसर
7. महाराष्ट्र के **45,000 गांवों में होगा पांदण रास्तों** का निर्माण
8. **आंगनवाड़ी** और **आशा सेवकों** को मिलेगा **₹15,000 मासिक मानदेय** और बीमा सुरक्षा
9. सौर और अक्षय ऊर्जा के माध्यम से **बिजली बिल होगा 30% कम,** जिससे होगा हर घर रौशन
10. साल 2028 तक **महाराष्ट्र** बनेगा **$1 ट्रिलियन** की अर्थव्यवस्था
11. सरकार बनने के 100 दिनों के भीतर **'विजन महाराष्ट्र 2029'** प्रस्तुत करेंगे
12. **'मेक इन महाराष्ट्र'** से राज्य बनेगा फिनटेक और **AI की राजधानी** नागपुर, पुणे और नासिक जैसे शहर एयरोस्पेस हब के रूप में उभरेंगे
13. उर्वरकों पर मिलेगी **SGST की छूट** । किसानों को सोयाबीन के लिए **प्रति क्विंटल ₹6,000 का न्यूनतम मूल्य सुनिश्चित** करने के लिए समर्पित मूल्य श्रृंखलाओं की स्थापना करेंगे
14. 500 स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के लिए एक औद्योगिक क्लस्टर स्थापित कर, ₹1,000 करोड़ के कुल रिवॉल्विंग फंड के साथ, 2027 तक **50 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाएंगे**
15. अक्षय अन्न योजना के तहत **गरीब परिवारों को हर महीने मुफ्त राशन**
16. महारथी (महाराष्ट्र एडवांस रोबोटिक्स और AI प्रशिक्षण हब योजना) से **सभी सरकारी स्कूलों में रोबोटिक्स और AI शिक्षा** के अवसर
17. उद्योग की जरूरतों के अनुसार **कौशल का आंकलन** कर **कुशल मानव संसाधन** का निर्माण करेंगे
18. हर जिले में **छत्रपति शिवाजी महाराज आकांक्षा केंद्र** स्थापित करके, **10 लाख नए उद्यमी** तैयार करेंगे
19. SC, ST, OBC और VJNT उद्यमियों के व्यवसाय हेतु **₹15 लाख** तक का **ब्याजमुक्त ऋण**
20. OBC, SEBC, EWS, NT और VJNT के पात्र विद्यार्थिओं के लिए **शिक्षा और परीक्षा शुल्क की पूर्ण प्रतिपूर्ति**
21. युवाओं के लिए **स्वामी विवेकानंद युवा स्वास्थ्य कार्ड** और वार्षिक स्वास्थ्य जांच
22. महाराष्ट्र के गौरवमयी **किलों का संरक्षण, संवर्धन** और **संजीवन**
23. **वरिष्ठ नागरिकों** के लिए विशेष प्राथमिकता नीति **आधार-सक्षम सेवा और अलग ओपीडी**
24. **जबरन धर्मांतरण** के खिलाफ सख्त कानून
25. **मानव-पशु संघर्ष** कम करने के लिए आधुनिक तकनीक; वन्यजीवों से जान-माल की हानि पर रोक

शिवसेना

भाजप-महायुती आहे, तर गती आहे

महाराष्ट्राची प्रगती आहे

*Matter related to "Clock" symbol of the NCP is sub-judice in the Supreme Court

भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र

भाजप-महायुती को वोट दें और विजयी बनाएं

Published By: Bharatiya Janata Party, Maharashtra | C.D.O Barrack No. 1, Nariman Point, Mumbai- 400020

ओवैसी की पार्टी को लेकर अघाड़ी सतर्क

- पिछले चुनाव में करीब एक दर्जन सीटों पर बिगाड़ा था खेल
- भाजपा विरोधी वोट में विभाजन से महायुति गठबंधन को लाभ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी और महायुति गठबंधन के अलावा कई छोटी पार्टियां चुनाव मैदान में हैं। इनमें वंचित बहुजन अघाड़ी और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) शामिल हैं। ये पार्टियां चुनाव में कोई बड़ा उलट फेर तो शायद नहीं कर पाएं, पर दोनों बड़े गठबंधनों का खेल बिगाड़ सकती हैं। एआईएमआईएम 16 सीटों पर चुनाव मैदान में है। उसने चार दलित और 12 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। जबकि 2019 में पार्टी 44 और 2014 में 22 सीटों पर चुनाव लड़ चुकी है। महाराष्ट्र में कम सीटों पर चुनाव लड़ने के एआईएमआईएम के फैसले को यूपी, बिहार, मप्र और पश्चिम बंगाल में मिली विफलता से जोड़कर देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव में भी पार्टी उम्मीदवार इम्तियाज जलील को हार का मुंह देखना पड़ा। जबकि 2019 के चुनाव में उन्होंने औरंगाबाद सीट से जीत दर्ज की थी। इससे साफ है कि मुस्लिम मतदाताओं का झुकाव उन पार्टियों की तरफ हुआ है, जो भाजपा को ज्यादा प्रभावी ढंग से शिकस्त दे सकते हैं। इसीलिए एआईएमआईएम पर दबाव बढ़ गया है।

एमवीए को खतरा

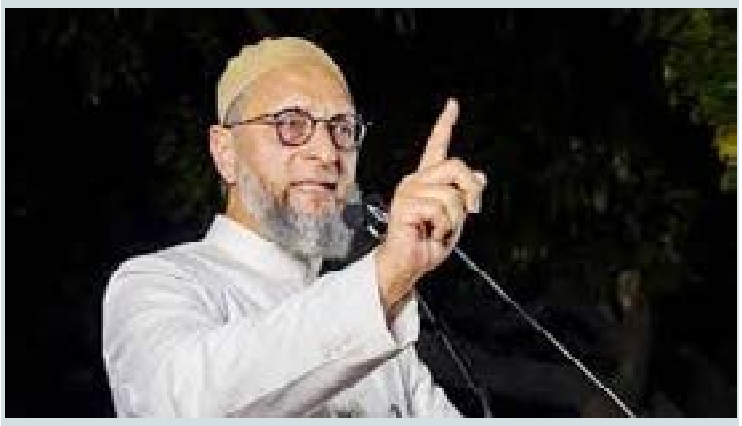

एआईएमआईएम ने जिन 16 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं, उनमें ज्यादातर कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) के पास हैं। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि एआईएमआईएम भले ही मजबूत सीट पर लड़ने का दावा करे, पर उसने एमवीए के खिलाफ उम्मीदवार दिए हैं। वह दलित और मुस्लिम वोट बांटना चाहती है। रणनीतिकार मानते हैं कि एआईएमआईएम के चुनाव लड़ने वाली सीट पर वोट विभाजन का सीधा फायदा महायुति को होगा। 2019 में एआईएमआईएम ने 44 सीटों पर चुनाव लड़ा और दो जीतीं। वहीं, पार्टी को 13 सीटों पर हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिले। इनमें से सात सीटें भाजपा-उसके सहयोगियों और छह कांग्रेस-एनसीपी के हिस्से में आईं थीं।

मतदाताओं को कर रहे आगाह

प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस बार भी एआईएमआईएम का मकसद भाजपा विरोधी वोट में सेंध लगाकर महायुति को फायदा पहुंचाना है। इसलिए, पार्टी ने मुस्लिम और आरक्षित सीट का चुनाव किया है। पर हरियाणा चुनाव में हार के बाद एमवीए सतर्क है। प्रचार में हम मतदाताओं से वोट खराब न करने को लेकर आगाह कर रहे हैं। वह मानते हैं कि पिछले कई चुनावों में मिली विफलताओं के बाद एआईएमआईएम को झटका लगा है। मुस्लिम और दलित मतदाताओं ने उसके या इस तरह की दूसरी छोटी पार्टियों को नकार दिया है। इसलिए, इस बार एआईएमआईएम भाजपा विरोधी वोट में बड़ी सेंध नहीं लगा पाएगी।

ठाणे पुलिस का 'ऑल आउट ऑपरेशन'

- अवैध हथियार, शराब एवं तड़ीपार गुंडे-बदमाशों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही
- आगामी चुनावों के लिए ठाणे में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक्शन मोड में पुलिस

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

ठाणे शहर में शांति और सुरक्षा स्थापित करने और आगामी विधानसभा चुनाव को भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए ठाणे पुलिस ने एक विशेष 'ऑल आउट ऑपरेशन' चलाकर विशेष कार्रवाई की है। ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और संयुक्त आयुक्त के नेतृत्व में ज्ञानेश्वर चव्हाण के मार्गदर्शन में ठाणे पुलिस ने 9 नवंबर की रात 11 बजे से 10 नवंबर की सुबह 2 बजे तक चले इस अभियान में ठोस और प्रभावी कदम उठाए हैं। इस ऑपरेशन में झोन-1 से 5 स्थानीय अपराध शाखा, यातायात शाखा के कुल 312 पुलिस अधिकारी और 1288 पुलिसकर्मी शामिल थे, जो ठाणे जिले में काफी हद तक कानून व्यवस्था बहाल करने में सफल रही हैं।

आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही और गिरफ्तारी

पुलिस ने इस ऑपरेशन में ठाणे पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत 31 गावठी कट्टे, 7 कोयता और 5 तलवारें जैसे कुल 43 हथियार जब्त किए और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए 41 आरोपियों को गिरफ्तार किया। ठाणे जिले में अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने इन हथियारों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई से अपराध को रोकने में बहुत योगदान देगी। अवैध शराब की बिक्री पर भी नियंत्रण के लिए ठाणे जिला पुलिस ने 57 मामले दर्ज किये और 50 हजार रुपये दंड वसूले। 5,07,484 मूल्य की अवैध शराब जब्त की गई है इस ऑपरेशन में ठाणे पुलिस ने कुल 185 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध शराब तस्करी को रोकने के लिए कदम उठाया है, जिससे समाज में इस तरह के अवैध कारोबारियों में डर पैदा हो गया है।

'कोटपा अधिनियम' के तहत 179 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

ठाणे पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए 'कोटपा अधिनियम' के तहत 179 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस कार्रवाई ने ठाणे शहर में सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू की खपत और दुरुपयोग को रोकने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा की जा सके। 'ऑल आउट ऑपरेशन' के दौरान, ठाणे में 74 होटल, 64 लॉज, 39 बीयर बार, 42 डांस बार और अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। पुलिस ने यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की कि इन स्थानों पर कानून व्यवस्था बनी रहे, जिससे चुनाव से पहले ठाणे जिले में एक सकारात्मक संदेश गया है। इस ऑपरेशन में 59 हिस्ट्रीशीटर, 50 तड़ीपार और 31 गैंगस्टरों की जांच की गई और 47 तड़ीपार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इनके खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 142 के तहत विभिन्न पुलिस स्टेशनों में अपराध दर्ज किए गए हैं और समाज में आतंक पैदा करने वाली प्रवृत्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है।

मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत 15 लोगों को हिरासत

मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत मादक पदार्थ सेवन के आरोप में 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. ठाणे पुलिस की इस कार्रवाई ने ठाणे जिले में नशीली दवाओं के उपयोग को रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे समाज में अवैध दवाओं के प्रसार पर नियंत्रण लगेगा। यातायात विभाग ने कुल 1,210 छोटे-बड़े वाहनों की जांच की और 2,149 वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की और 18,58,750 रुपये का जुर्माना वसूला. इस कार्रवाई से ठाणे में यातायात नियंत्रण कर सुरक्षा बढ़ाने के ठोस प्रयास किये गये हैं. 'ऑल आउट ऑपरेशन' की बदौलत ठाणे शहर में शांति, सुरक्षा और भयमुक्त वातावरण का निर्माण हुआ है। आगामी चुनावों के मद्देनजर ठाणे पुलिस कमिश्नरेट के इस सख्त कदम से शहर में सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ तैयार हो गया है।

विधानसभा चुनाव 2024 में ठाणे जिला में 72 लाख 29 हजार 339 मतदाता करेगें मतदान

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 2024 के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को मतदान की गिनती की जाएगी।134-भिवंडी ग्रामीण (अ.ज.), 135-शहापूर (अ.ज.), 136-भिवंडी पश्चिम, 137-भिवंडी पूर्व, 138-कल्याण पश्चिम, 139-मुरबाड, 140-अंबरनाथ (अ.जा.), 141-उल्हासनगर, 142-कल्याण पूर्व, 143-डोंबिवली, 144-कल्याण ग्रामीण, 145-मिरा भाईंदर, 146-ओवला माजिवाडा, 147-कोपरी पाचपाखाडी, 148-ठाणे, 149-मुंब्रा कलवा, 150-ऐरोली, 151-बेलापूर इस तरह से जिले में कुल 18 विधानसभा चुनाव क्षेत्र है।जिले में 29 अक्टूबर 2024 तक कुल 72 लाख 29 हजार 339 मतदाता हैं।जिसमें पुरूष मतदाता 38 लाख 45 हजार 42 हैं और महिला मतदाता 33 लाख 82 हजार 882 है।अन्य व तृतीय पंथी मतदाता 1 हजार 415 हैं। सैनिक मतदाता 1 हजार 603,एनआरआय मतदाता 979,दिव्यांग मतदाता 38 हजार 149,18 से 19 साल के मतदाता 1 लाख 72 हजार 981,85 साल से अधिक उम्र के मतदाता 56 हजार 976 मतदाता हैं।जिला चुनाव प्रशासन ने 20 नवंबर को मतदाताओं को बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए आवाहन किया है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का भव्य आयोजन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर 11 नवंबर को पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस धूमधाम से मनाया गया। यह दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति, शिक्षाविद् व भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान देने वाले मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से शुरू हुआ और कार्यक्रम में सुविचार और विशेष कार्यक्रम आदि प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने अपने भाषण के माध्यम से मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के योगदान को रेखांकित किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य वेद प्रकाश गौतम ने अपने प्रेरणादायक शब्दों के माध्यम से शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।शिक्षा को राष्ट्र निर्माण में एक शक्तिशाली उपकरण बताया।इस दिन को विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक नए उत्साह और प्रेरणा के साथ मनाया जो उनके शिक्षा के प्रति समर्पण को और मजबूत करेगा।इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शिक्षकों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का योगदान रहा।कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया और उनके भीतर सकारात्मक ऊर्जा व बदलाव लाने की प्रेरणा दिया गया।

सुरेश प्रभु की लुटियन दिल्ली में वापसी

- केंद्र सरकार ने ICFA अध्यक्ष किया नियुक्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/ नई दिल्ली।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने एक नया पाशा फेंक दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु की केंद्र सरकार में भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद (ICFA) के चेयरमैन के रूप में वापसी हुई है। परिषद ने सोमवार को कहा कि वैश्विक क्षेत्र में अनुभव, कई संयुक्त राष्ट्र निकायों में सेवा देने और जी-7 और जी-20 देशों के लिए भारत के शेरपा के रूप में प्रभु आईसीएफए के कृषि व्यापार, प्रौद्योगिकी और कृषि में निवेश को बढ़ावा देने और भारत में खाद्य और कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के मिशन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। इस नई भूमिका में प्रभु का लक्ष्य किसानों को बाजार के अवसरों का लाभ उठाने में मदद करना और नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों, नीति अनुसंधान और वकालत, कृषि व्यवसाय और कृषि व्यापार को बढ़ावा देना है। अपनी नियुक्ति पर प्रभु ने कहा, ''एक साथ, हम प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकते हैं, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे किसानों को उनकी उपज का उचित मुआवजा मिले।

ताकतवर मंत्रियों में से एक हुआ करते थे सुरेश प्रभु

गौरतलब है कि एक वक्त था सुरेश प्रभु मोदी के कैबिनेट के ताकतवर मंत्रियों में से एक हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ सियासत बदली और प्रभु हांसिये पर चले गए। सुरेश प्रभु 2014 की मोदी सरकार में रेल मंत्री थे। इस दौरान कई ट्रेनें हादसे का शिकार हुईं। ऐसा कहा जाता है कि रेल हादसों से हुए डैमेज को कंट्रोल करने के लिए रेल मंत्रालय सुरेश प्रभु से ले लिया गया। इसके बाद 2017 में, सुरेश प्रभु को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का प्रभार दिया गया। हालांकि वर्तमान सरकार में उनके पास कोई मंत्रालय नहीं है। सुरेश प्रभु महाराष्ट्र के राजापुर लोकसभा क्षेत्र से आते हैं। हालांकि वह आंध्र प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। अब महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के बीच सुरेश प्रभु की केंद्र सरकार में वापसी हुई है। सुरेश प्रभु के वापसी से भाजपा ने एक तीर से दो निशाना साधा है। पहला ये है कि सुरेश प्रभु भाजपा के पुराने नेता हैं उनकी लुटियन दिल्ली में वापसी हो गई। दूसरा ये है कि महाराष्ट्र के नेता को अहमियत देकर सूबे की जनता को चुनावी संदेश दिया है।

संविधान के नाम पर दिखाने के लिए सिर्फ कोरे कागज: चव्हाण

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के लोक निर्माण मंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता रवींद्र चव्हाण ने 148 ठाणे में कहा कि महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी के पास संविधान के नाम पर दिखाने के लिए सिर्फ कोरे कागज है, जिनसे वह जनता को भ्रमित करना चाहती है। राज्य के मंत्री रवींद्र चव्हाण ने आगे बताया कि भारतीय जनता पार्टी का संकल्प महाराष्ट्र को देश का पहला विकसित राज्य बनाना है और भाजपा का लक्ष्य राज्य की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। आज ठाणे बीजेपी कार्यालय में रवीन्द्र चव्हाण पार्टी के संकल्प पत्र की जानकारी देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चूंकि भारतीय जनता पार्टी ने कई वादे पूरे किए हैं, इसलिए देश की जनता ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी को दोबारा सत्ता में भेजा है।

मविआ के पास संविधान के नाम पर कोरा कागज

इस अवसर पर विधायक निरंजन डावखरे, शहर अध्यक्ष संजय वाघुले, प्रवक्ता सागर भादे, सुजय पाटकी, मृणाल पेंडसे, एड.सुभाष काले उपस्थित थे। ठाणे में ठाणे शहर विधानसभा 148 में बीजेपी का घोषणा पत्र जारी करते हुए चव्हाण ने कहा कि कांग्रेस गठबंधन में शामिल दल जम्मू-कश्मीर में फिर से धारा 370 लागू करने के लिए कमर कस रहे हैं और वही पार्टी अब महाराष्ट्र में संविधान के नाम पर कोरा कागज दिखा रही है।. बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान का अपमान किया जा रहा है.। लोक निर्माण मंत्री चव्हाण का मानना है कि महाराष्ट्र के मतदाता राहुल गांधी, कांग्रेस और उनके गठबंधन का समर्थन नहीं करेंगे, जिन्होंने लोगों को इस तरह धोखा दिया।

कांग्रेस चुनावी वादों को पूरा करने में विफल

चव्हाण ने महाविकास अघाड़ी की कड़ी आलोचना करते हुए यह आरोप लगाया कि कि संकटग्रस्त महाविकास अघाड़ी ने सत्ता के लिए तुष्टिकरण की विचारधारा अपनाई है, । उन्होंने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक राज्यों में अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। कर्नाटक के कई गांवों को वक्फ संपत्ति घोषित किया गया है. ।आम आदमी की संपत्ति वक्फ के हिस्से न जाए इसके लिए मोदी सरकार वक्फ बोर्ड संशोधन बिल लेकर आई है बीजेपी नेता चव्हाण ने स्पष्ट किया।

'महाराष्ट्र में रहने की स्थिति बेहतर करने के लिए सरकार बदलना जरूरी'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हैं। राज्य में सत्तासीन महायुति गठबंधन और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच अलग-अलग मुद्दों को लेकर जुबानी जंग जारी है। इस बीच सोमवार को राकांपा-एसपी सुप्रीमो शरद पवार ने महाराष्ट्र में सरकार बदलने को सबसे बड़ी जरूरत बता दिया। उन्होंने कहा कि किसानों, महिलाओं और युवाओं की स्थिति बेहतर करने के लिए बदलाव की सख्त जरूरत है। उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव जिले के परोला में महा विकास अघाड़ी के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए पवार ने किसानों की आत्महत्या, महिलाओं पर अत्याचार, बढ़ती बेरोजगारी की समस्या पर बात की। इसी दौरान उन्होंने कहा कि लोगों के रहने की स्थितियों की बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए सरकार में बदलाव बेहद जरूरी है। उन्होंने हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, ₹बदलापुर में स्कूल जाने वाली बच्चियों पर अत्याचार किया गया। आखिर मैं महिलाओं-लड़कियों पर हुए कितने जुल्मों का उदाहरण दूं? महिलाओं को सुरक्षा देने के बजाय, वे हमारी बहनों को पैसे देने का एलान करते हैं।₹ राकांपा-एसपी के राज्यसभा सांसद ठाणे में पिछले अगस्त दो स्कूली बच्चियों के साथ हुए यौन उत्पीड़न का जिक्र कर रहे थे। इसका आरोपी स्कूल के ही एक सफाईकर्मी को पाया गया था, जिसे बाद में पुलिस ने मार गिराया।

अमित शाह की बैठक को बाधित करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने यहां एक होटल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बैठक में कथित रूप से जबरन घुसने के आरोप में 53 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान कानपुर निवासी शक्ति प्रकाश भार्गव के तौर पर की गई है और उसने रविवार को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित होटल में उच्च सुरक्षा वाले कार्यक्रम में प्रवेश करने के लिए कथित तौर पर फर्जी मीडिया पहचान पत्र का इस्तेमाल किया था। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक भार्गव ने 'लाल इमली मिल घोटाले' को लेकर शोर मचाकर बैठक में बाधा डाली और केंद्रीय गृह मंत्री का ध्यान आकर्षित करने के लिए कागज फेंके। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया और भार्गव को बैठक से बाहर ले जाकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। अधिकारी ने बताया कि भार्गव के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप सहित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पश्चिम रेलवे

यांत्रिक विभाग की विभिन्न इकाइयों के प्रमाणन

वरिष्ठ डीएमई (कंपनी)/मुंबई सेंट्रल आमंत्रित करता है. **ई-निविदा सूचना संख्या: M137-19 IMS-5S-2024, दिनांक 08.11.2024. कार्य का नाम:** IMS (ISO 9001:2015, ISO14001:2015 और ISO 45001:2018)+मुंबई डिवीजन के यांत्रिक विभाग की विभिन्न इकाइयों के 5S प्रमाणन. **कार्य की अनुमानित लागत:** 9,99,460/- (सभी शामिल). **ईएमडी:** 20,000/-. **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय: 06.12.2024 को 15:00 बजे.** अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं. **मैन्युअल ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा.** 0722

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पनवेल हत्या मामले में यूपी से आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

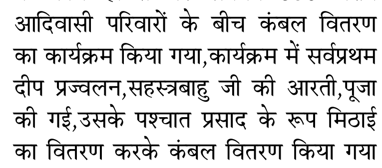

पत्नी और पिता के अपमान से नाराज होकर एक युवक ने पड़ोसी की हत्या कर दी। यह घटना पनवेल में घटी। मोरबे गांव में शव मिलने के बाद पनवेल तालुका पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ था। मामले की जांच के दौरान आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। मृतक याकूब खान (60) दो दिन से लापता थे। 29 अक्टूबर को मोरबे गांव में उनकी लाश बरामद हुई। क्राइम ब्रांच यूनिट 2 के वरिष्ठ निरीक्षक उमेश गवली, सहायक निरीक्षक प्रवीण फडतरे की टीम को पता चला कि याकूब को श्रीकांत तिवारी के साथ देखा गया था। हत्या के बाद तिवारी फरार हो गया था। बताया जा रहा है कि याकूब ने श्रीकांत की पत्नी और पिता का अपमान किया था।

आचार संहिता का उल्लंघन

शिंदे गट और मनसे के बीच टकराव!

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

जोगेश्वरी पूर्व में विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ी राजनीति हलचल मच गई है। शिंदे गुट की उम्मीदवार मनीषा वायकर के कार्यकर्ताओं पर आचार संहिता उल्लंघन का गंभीर आरोप लगा है। खास बात यह है कि हल्दी-कुंकुम कार्यक्रम के नाम पर महिलाओं को वस्तुएं बांटी गईं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के उम्मीदवार भालचंद्र अंबुरे ने इसे स्पष्ट रूप से आचार संहिता का उल्लंघन बताया और इस घटना का जोरदार विरोध किया है।

इलाके में तनाव का माहौल

जैसे ही यह जानकारी सामने आई, मनसे के उग्र कार्यकर्ता और भालचंद्र अंबुरे खुद घटनास्थल पर पहुंचे। साथ ही ठाकरे गुट के उम्मीदवार बाला नर और अपक्ष उम्मीदवार धर्मेंद्रनाथ ठाकूर भी तुरंत मौके पर पहुंचे। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में जुटे मनसे कार्यकर्ताओं ने आक्रामक तरीके से कार्यक्रम को उखाड़ फेंका। जमाव की आक्रामकता के कारण इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

चुनाव आयोग और मेघवाड़ी पुलिस स्टेशन में तहरीर

इसके बाद, चुनाव आयोग और मेघवाड़ी पुलिस स्टेशन में तहरीर दी गई। विधानसभा चुनावों के बीच इस तरह की घटनाएं राजनीतिक माहौल को और भी गरमाने का काम कर रही हैं। जोगेश्वरी पूर्व में यह विवाद अब अन्य स्थानों पर भी चर्चा का विषय बन चुका है।

आदिवासी ग्रामीणों को जरूरत की सामग्री का वितरण

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन के जन्मोत्सव के अवसर पर अखिल मुंबई जायसवाल सभा द्वारा बंजारवाडी,कर्जत के फार्म हाउस पर लगभग 350 गरीब आदिवासी परिवारों के बीच कंबल वितरण का कार्यक्रम किया गया,कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन,सहस्त्रबाहु जी की आरती,पूजा की गई,उसके पश्चात प्रसाद के रूप मिठाई का वितरण करके कंबल वितरण किया गया विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी दिनांक 10 नवंबर 2024 को यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। संस्था के महामंत्री त्रिलोकी नाथ जायसवाल ने इस कार्यक्रम में भगवान सहस्त्रबाहु के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

वर्ष : 33 | अंक : 236 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, मंगलवार, 12 नवंबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महाराष्ट्र चुनाव के लिए ST की 9000 बसें तैयार

मुंबई की 1400 स्कूल और BEST बसों का भी होगा इस्तेमाल

इन बसों का होगा उपयोग

- एसटी की स्वामित्व वाली कुल बसें – 13,367
- चुनाव में इस्तेमाल की जाने वाली एसटी बसें – 8987
- पुलिस प्रशासन से मांगी गई बसें – 490
- कुल इस्तेमाल की जाने वाली बसें – 9232

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी है। चुनाव में बसें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चाहे वो एमएसआरटीसी की हो, बेस्ट की हो या स्कूल की ही क्यों न हो। मिली जानकारी के अनुसार, चुनाव आयोग ने एसटी प्राधिकरण से करीब 9232 बसों की मांग की थी, ताकि 19 नवंबर को बसें, मतपेटियों को मतदान केंद्र तक ले जाए और 20 नवंबर को मतदान समाप्त होने के बाद उन्हें मतगणना स्थल पर पहुंचा सके। एसटी ने इन बसों को इलेक्शन ड्युटी को भेजने के लिए तैयार करना शुरू कर दिया है, जिसमें पुलिस प्रशासन से मांगी गई 490 बसें भी शामिल है। इसके अलावा अगर मुंबई की बात करें तो चुनाव आयोग ने बेस्ट से 600 बसों की मांग की है, हालांकि कितनी बसें दी जाएगी, इस बारे में अब तक प्राधिकरण द्वारा कोई जानकारी नहीं दी गई है। तो वहीं मुंबई के स्कूल बसों की बात करें तो 1000 स्कूल बसों को इलेक्शन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

ST को होगा फायदा

इलेक्शन ड्यूटी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गाड़ियों से प्राधिकरण को मुनाफ़ा होता है। एक गाड़ी के पीछे निर्धारित रकम दी जाती है, जो रूट फाइनल होने के बाद तय किया जाता है। लोकसभा चुनाव के दौरान 1 बस के लिए 24 से 30 हजार रुपये दिए गए थे। उसी तरह इस बार भी दिया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि बस को मिलने वाली रकम रूट और किलोमीटर तय होने के बाद साफ़ हो जाएगी। हालांकि इस वजह से यात्रा करने वाले यात्रियों की यात्रा में थोड़ी मुश्किल हो सकती है।

मुंबई की बसों का इस्तेमाल

मुंबई में चार आरटीओ डिवीजनों ताड़देव, वडाला, अंधेरी और बोरीवली के लिए ड्राइवरों के साथ लगभग 1000 स्कूल बसें उपलब्ध कराई

जाएंगी। साथ ही बेस्ट से भी 600 बसें मांगी गई है। इनका उपयोग वोटिंग मशीनों और चुनाव के लिए आवश्यक अन्य वस्तुओं के परिवहन के लिए किया जाएगा। साथ ही इन बसों का इस्तेमाल मुंबई और उपनगरों में नियुक्त मतदान अधिकारी कर्मचारियों और निर्वाचन क्षेत्रों के परिवहन के लिए किया जाएगा।

मुंबई के गोराई बीच पर मिले 7 टुकड़ों में शव

प्लास्टिक बैग में पैक थी शख्स की सड़ी-गली लाश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के गोराई इलाके में सनसनीखेज घटना सामने आई है। गोराई बीच पर एक बोरे में सात टुकड़ों में कटा हुआ एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के एक सुनसान जंगल जैसे इलाके में बोरा मिला। स्थानीय लोगों ने बोरे से दुर्गंध आने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बोरा खोला तो चार प्लास्टिक के डिब्बों में एक व्यक्ति के कटे हुए शरीर के टुकड़े मिले। शरीर के अंगों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र 25-40 वर्ष के बीच थी। उसके दाहिने हाथ पर 'आरए' लिखा टैटू भी था।

पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस उपायुक्त (जोन-11) आनंद भोइते ने बताया कि पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत एक अज्ञात हत्यारे के खिलाफ हत्या और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया है। स्थानीय अपराध शाखा इकाई ने भी समानांतर जांच शुरू कर दी है। मृतक व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय पुलिस ने आस-पास के पुलिस थानों से संपर्क करना शुरू कर दिया है ताकि पता लगाया जा सके कि मृतक व्यक्ति के विवरण से मिलते-जुलते हाल ही में कोई गुमशुदगी की शिकायत दर्ज की गई थी या नहीं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : मुख्य शूटर समेत पांच आरोपियों को 19 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में गिरफ्तार संदिग्ध मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम एवं चार अन्य आरोपियों को सोमवार को मुंबई की एक अदालत ने 19 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और मुंबई अपराध शाखा ने 10 नवबंर को बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के शूटर शिवकुमार (20) और उसके चार साथियों को उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के नानपारा से गिरफ्तार किया। बता दें कि चार अन्य आरोपियों अनुराग कश्यप, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, आकाश श्रीवास्तव और अखिलेंद्र प्रताप सिंह को शिवकुमार को शरण देने और नेपाल भागने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। अपराध शाखा ने आरोपियों को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद पाटिल के समक्ष पेश किया। जांच एजेंसी ने मामले की जांच के लिए उनकी हिरासत मांगी, जिसे अदालत ने 19 नवंबर तक के लिए मंजूर कर लिया।

एसटीएफ उत्तर प्रदेश और मुंबई क्राइम ब्रांच ने किया था गिरफ्तार

इस मामले में शूटर शिवकुमार और उसे शरण देने वालों को रविवार को गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ उत्तर प्रदेश और मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने इस शूटर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे नानपारा बहराइच से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी शूटर शिवकुमार नेपाल भागने की फिराक में था। लेकिन एसटीएफ ने उसे पहले ही पकड़ लिया। एसटीएफ टीम का नेतृत्व प्रमेश कुमार शुक्ला की मुख्यालय स्थित टीम के सब इंस्पेक्टर जावेद आलम सिद्दीकी कर रहे थे।

'बटोगे तो कटोगे' नारे पर राजनीति गर्म

अशोक गहलोत ने बीजेपी पर बोला हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा, महाराष्ट्र देश का अग्रणी राज्य रहा है। मुंबई व्यावसायिक राजधानी रही है। इसलिए यहां के लोगों का संदेश पूरे देश में जाएगा। मुझे उम्मीद है कि इस बार महाराष्ट्र आने वाले समय की राजनीतिक दिशा तय करेगा। ये चुनाव सिर्फ महाराष्ट्र के लिए नहीं बल्कि देश की दशा और दिशा तय करने के लिए हैं। मैं देश की जनता से अपील करना चाहूंगा कि ये कोई साधारण चुनाव नहीं है। आप देश का भविष्य तय करेंगे।

'बटोगे तो कटोगे' के नारे पर गहलोत ने चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की

अशोक गहलोत ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा, वो 'बटोगे तो कटोगे' की बात करते हैं। क्या कोई ऐसा नारा दे सकता है? आज एक मुख्यमंत्री कह रहा है 'बटोगे तो कटोगे'। इसका क्या मतलब है? क्या चुनाव आयोग ने इस पर कोई रोक लगाई है? 'एक रहोगे तो सेफ रहोगे' का भी यही मतलब है। हमें इस तरह की राजनीति को समझना होगा और उसके आधार पर फैसला करना होगा।

गहलोत ने मोदी सरकार पर लगाया खरीद-फरोख्त के जरिए सरकार बनाने का आरोप

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा, यह महत्वपूर्ण चुनाव है। जिस तरह से खरीद-फरोख्त के जरिए सरकार गिराने की कोशिश की जाती है। मैंने राजस्थान में 40 दिन तक ये सब झेला है। हम 40 दिन होटलों में रहे। हम जानते हैं कि हमने कैसे इसका सामना किया। उन्होंने मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा, अगर भारत सरकार के वरिष्ठ नेता सरकार गिराने के लिए आगे आ जाते हैं, तो उनके लिए यह बहुत आसान हो जाता है। मैं आम जनता का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। सबने हमारा साथ दिया और हम अपनी सरकार बचाने में सफल रहे। लेकिन ये परंपरा अच्छी नहीं है।

अलकायदा की साजिश मामले में एनआईए ने की देशव्यापी छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भारत को अस्थिर करने की आतंकी समूह अलकायदा की साजिश का पर्दाफाश करने और इस सिलसिले में कुछ बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए सोमवार को देशभर में कई स्थानों पर तलाशी और छापेमारी का अभियान चलाया। नौ स्थानों पर हुई कार्रवाई में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन की गतिविधियों को समर्थन और वित्त पोषण करने के संदिग्धों से जुड़े स्थानों पर छापे मारे गये। जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार, त्रिपुरा और असम राज्यों में सोमवार सुबह-सुबह कार्रवाई शुरू हुई। तलाशी में विस्तृत बैंकिंग लेनदेन, मोबाइल फोन सहित डिजिटल उपकरणों और आतंकी फंडिंग गतिविधियों से संबंधित आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। एनआईए की जांच के अनुसार, जिन संदिग्धों के परिसरों पर छापे मारे गए वे बांग्लादेश स्थित अलकायदा नेटवर्क के समर्थक हैं। यह अभियान बांग्लादेश स्थित अलकायदा के गुर्गों द्वारा रची गई साजिश से संबंधित 2023 के मामले में एनआईए की चल रही जांच का हिस्सा है।

हेलीकॉप्टर में बैग जांच को लेकर भड़के उद्धव ठाकरे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/यवतमाल

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान जोरों पर है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे विदर्भ दौरे पर हैं। सोमवार जब वे एक चुनाव सभा के लिए यवतमाल जिले के वाणी गए तो उनके हेलीकॉप्टर की जांच की गई। चुनाव अधिकारियों की ओर से हेलीकॉप्टर में मौजूद सामग्री की जांच की गई। उस वक्त उद्धव ठाकरे कुछ गुस्से में थे। ठाकरे ने मोदी को चुनौती दी कि जैसे उन्होंने मेरा बैग चेक किया, वैसे ही अमित शाह का बैग भी चेक करें। उन्होंने पूछा कि क्या मिंधे तारबजू के बैग की जांच करेगा।

जनसभा में पहुंचे उद्धव का बैग चेक

यवतमाल जिले के वाणी में जनसभा के लिए पहुंचे उद्धव ठाकरे के बैग की जांच करने के लिए चुनाव अधिकारी दौड़ पड़े। तब उद्धव ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने कभी मुख्यमंत्री का बैग चेक किया है। आप अपना काम करें, यही सही है। लेकिन जब मोदी, शाह आएं तो उनका बैग भी चेक कर लेना। उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनके बैग की चेकिंग का वीडियो मेरे पास आना चाहिए।

14 आवारा कुत्तों के शव बोरों में भरकर नाले में फेंके गए, मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिमी उपनगर कांदिवली में एक नाले में 14 आवारा कुत्तों के शव बोरियों में भरकर फेंके गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने शनिवार को कांदिवली के साईं नगर इलाके में एक नाले में सड़ी-गली लाशों से भरी बोरियां देखीं और पुलिस को इसकी सूचना दी।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

नाले के अंदर शवों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इलाके के एक निवासी ने कहा, 'यह भयावह है। जिस हालत में जानवर पाए गए वह दिल दहला देने वाला है और यह इस बात को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है कि उनकी मौत से पहले उनके साथ कैसा व्यवहार किया गया होगा।'

राजनीति › महाराष्ट्र चुनाव में महायुति के समर्थन का ऐलान

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के रुख ने किया हैरान

मुनीब चौरसिया | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने बीजेपी और शिंदे गुट की शिवसेना के महायुति गठबंधन को अपना समर्थन करके सबको हैरान कर दिया है। अक्सर बीजेपी पर हमलावर रहने वाले शंकराचार्य का चुनावों में महायुति को समर्थन देना उनके रुख से अलग है। महायुति को समर्थन देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने के फैसले के चलते उन्होंने यह निर्णय लिया है। महाराष्ट्र सरकार के इस निर्णय के कारण उनका आंदोलन मजबूत होगा। महाराष्ट्र चुनाव में हमारा आशीर्वाद शिंदे सरकार के साथ रहेगा। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले अविमुक्तेश्वरानंद ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मातोश्री में मुलाकात की थी और ठाकरे परिवार ने शंकराचार्य का आशीर्वाद लिया था व पादुका पूजा की थी।

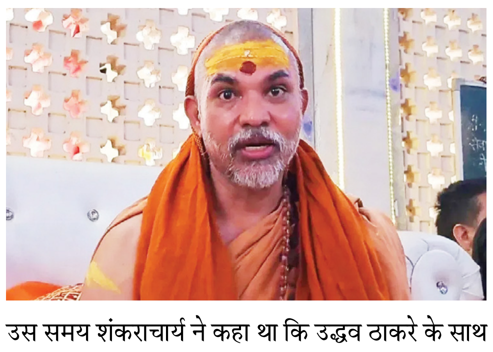

उस समय शंकराचार्य ने कहा था कि उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है और यह बात महाराष्ट्र की जनता जानती है। जो लोग दूसरों के साथ विश्वासघात करते हैं, वे हिंदू नहीं हो सकते। उद्धव ठाकरे को विश्वासघात कर मुख्यमंत्री पद से हटाया गया। महाराष्ट्र के लोगों ने दिखा दिया है कि वे उद्धव ठाकरे के साथ हैं और उन्हें पता है कि उनके साथ विश्वासघात हुआ है। लेकिन अब उन्होंने बीजेपी और शिंदे को समर्थन देने की बात कही है।

राज्य माता का दर्जा देने के फैसले के कारण समर्थन

वाराणसी के केदार घाट पर स्थित श्रीविद्या मठ में गौ पूजन के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सनातन धर्म में वेद और उपनिषदों में गाय को पशु नहीं, माता का दर्जा दिया गया है, लेकिन देश में कानून के में उन्हें पशु का दर्जा देकर अपमानित किया गया है। आजादी के 70 साल बाद भी उन्हें काट कर बेचा जा रहा है। शंकराचार्य ने कहा कि जो सरकार गौ हत्या पर रोक लगाएगी और गौ माता को राज्य माता घोषित करेगी, मेरा और सनातन समाज का आशीर्वाद उसके साथ रहेगा।

शिंदे सरकार को एक और मौका दें

महाराष्ट्र सरकार और एकनाथ शिंदे की तारीफ करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि उन्होंने गौ माता को राज्य में राज्य माता का दर्जा दिया। महाराष्ट्र पहला राज्य है जिसने यह कदम उठाया है। इसी कारण से हम महाराष्ट्र सरकार को अपना आशीर्वाद दे रहे हैं। मैं महाराष्ट्र के लोगों से शिंदे सरकार को एक और मौका देने की अपील करता हूं।

मच्छर का डंक कर रहा बीमार

मुंबई में औसतन प्रति दिन 22 लोग मलेरिया से प्रभावित

मुंबई। मलेरिया के मच्छरों ने इस वर्ष मुंबईकरों को काफी परेशान किया हुआ है। राज्य के अन्य जिलों की तुलना में मलेरिया से मुंबई में सबसे अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से अक्टूबर तक मुंबई में 6491 लोग मलेरिया से प्रभावित हुए हैं। मुंबई औसतन प्रति दिन 22 मुंबईकर मलेरिया के जद में आए हैं। इस वर्ष सबसे अधिक मामले मुंबई में 6491, उसके बाद गढ़चिरौली में 6061 लोग मलेरिया से संक्रमित मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बीएमसी के इतना प्रचार प्रसार करने के बावजूद आज भी लोगों के घर और सोसाइटियों से मलेरिया और डेंगी के ब्रीडिंग स्पॉट मिलते हैं। जैसे ही किसी इलाके में मलेरिया से प्रभावित मरीज मिलता है कीटनाशक विभाग के अधिकारी उस क्षेत्र में जाकर ब्रीडिंग स्पॉट खोजते हैं और उसे नष्ट करते हैं। इसके अलावा क्षेत्र में फॉगिंग और ट्रीटमेंट भी किया जाता है ताकि जमा पानी में मच्छर ब्रीडिंग न कर पाए। गौरतलब है कि गत वर्ष मुंबई में 7319 मामले मिले थे, जबकि 2022 में 3985 लोग ही मलेरिया से प्रभावित हुए थे।

एमएमआर में कुल 9909 लोग मलेरिया से संक्रमित

एमएमआर में मलेरिया से सबसे अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार, एमएमआर में कुल 9909 लोग मलेरिया से संक्रमित हुए हैं। इनमें मुंबई में 6491, पनवेल में 791, ठाणे महानगरपालिका में 647, नवी मुंबई में 586, रायगड में 411, कल्याण में 382, मीरा-भाईंदर में 290, ठाणे में 110, वसई-विरार में 85, भिवंडी 72, पालघर में 30 और उल्हासनगर में 15 मरीज मिले।

संपादकीय

प्रदूषकों को दंड

ऐसे वक्त में जब केंद्र सरकार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने तथा स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिये प्रतिबद्ध है, तो देश के विभिन्न संस्थानों व विभागों को भी पहल करनी चाहिए। सरकार के प्रयासों के बीच राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण यानी एनजीटी द्वारा वायु व मिट्टी प्रदूषण फैलाने के लिये पानीपत थर्मल पावर स्टेशन पर 6.93 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाना, तमाम प्रदूषक उद्योगों के लिये सबक है। ट्रिब्यूनल की कार्रवाई कानूनों का उल्लंघन करके पर्यावरण व जन-स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वालों के लिये संदेश है कि लक्ष्मण रेखा पार की तो बख्शे नहीं जाएंगे। पर्यावरण को क्षति पहुंचाने पर भारी मुआवजा देना होगा। दरअसल, इस थर्मल प्लांट से निकलने वाली राख आस-पास के ग्रामीणों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही है। जिससे श्वसन समेत कई तरह के रोग बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं सड़कों पर प्रदूषण के चलते दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर एनजीटी ने थर्मल प्लांट के प्रबंधकों द्वारा पर्यावरण की क्षतिपूर्ति के लिये पेड़ों को लगाने में की गई खानापूर्ति को आड़े हाथ लिया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आप ने पौधे लगाने का दावा तो किया है लेकिन क्या सुनिश्चित किया है कि उन पौधों में से कितने पेड़ बन पाए। हरित न्यायाधिकरण का कहना था कि पौधरोपण से ज्यादा महत्वपूर्ण पेड़ों की उत्तरजीविता सुनिश्चित करना है। यह उपाय पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्रदूषकों के निवारण के आधे-अधूरे प्रयासों को ही उजागर करता है। निश्चित रूप से एनजीटी की जुर्माना लगाने की यह कार्रवाई प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपने तौर-तरीके बदलने को बाध्य करेगी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पिछले एक दशक में तेल व गैस क्षेत्र में राजकोषीय सब्सिडी कम करने की दिशा में सार्थक पहल की है। लेकिन अभी भी स्वच्छ ऊर्जा से बिजली क्षमता का आधा हासिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने हेतु बड़े प्रयासों की जरूरत है। तभी भारत वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने के लक्ष्य को हासिल कर पाएगा। जलवायु परिवर्तन सम्मेलन तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता व सब्सिडी कम करने पर बल देते रहे हैं। निस्संदेह, स्वच्छ ऊर्जा के स्थायी विकल्पों में निवेश करने से प्रदूषण से पैदा होने वाली बीमारियों पर अंकुश लग सकेगा। इसके साथ ही हम लक्षित कार्बन उत्सर्जन में भी कटौती कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का दंश झेल रही दुनिया में जन स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि प्रदूषण के कारकों की नियमित निगरानी हो व कानून के क्रियान्वयन में सख्ती से उद्योगों की जवाबदेही तय की जा सकेगी। जिससे हम प्रकृति के अनमोल संसाधनों हवा, पानी और मिट्टी को जहरीला बनने से रोक पाएंगे। इसमें दो राय नहीं कि पर्यावरण तथा स्वास्थ्य के आपातकाल से बचने के लिये शून्य सहिष्णुता का दृष्टिकोण नितांत जरूरी है। हाल में पराली जलाने पर जुर्माना दुगना करने की नीति को इसी आलोक में देखना चाहिए। लेकिन साथ ही किसानों को पर्याप्त विकल्प भी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

मोदी और ट्रंप से प्यार और खार के द्वंद्व

ज्योति मल्होत्रा

व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से अमेरिका में इन दिनों ठीक वैसी भावनाओं की तीव्रता उमड़ रही है जैसी पिछले एक दशक में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत में अनुभव हुई है। वहां की तथाकथित 'उदारवादी प्रेस' ने ट्रंप के जीतने पर एक अंधकारमय, प्रलंयकारी परिदृश्य को चित्रित करने के लिए अपनी हदें पार कर दीं, जबकि ट्रंप समर्थक तथाकथित 'रूढ़िवादी मीडिया' – जिसकी अगुवाई एलन मस्क का सोशल मीडिया मंच एक्स कर रहा था–उसने अमीरों के कुलीन पहनावे वाले व्यक्ति (ट्रंप) की छवि चमकता बख्तरबंद पहने एक योद्धा के रूप में पेश की, जो बचाने आया है। यह हैरानी भरा भाव है कि जिस प्रकार का भावनात्मक मिश्रण मोदी के प्रति भारत में दिखता है, उससे मिलता-जुलता ट्रंप के लिए भी दिखा। मोदी द्वारा 2014, 2019 और 2024 में पाई सफलता में चुनावी उल्लास बनाम उदासी भरा आक्रोश, तीनों बार एक पहचान रही। निश्चित रूप से, यह स्पष्ट है कि भारत में भी, अमेरिका की तर्ज पर ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्तित्व -मोदी और ट्रंप – के वजन के तले खुशहाल मध्य वर्ग का हिस्सा काफी हद तक गायब हो गया है। बड़ा सवाल यह है कि क्योंकर मीडिया और चुनाव-पंडितों, दोनों के अनुमान लगातार गलत निकल रहे हैं। क्या हमें मोदी और ट्रंप को खारिज करना इतना भाता है कि हम वास्तव में यह देखने और सुनने से इनकार कर रहे हैं कि जिन लोगों के विचारों, इच्छाओं और चिंताओं को हम व्यक्त करने का दावा करते हैं, वे वास्तव में क्या कहते हैं? अमेरिका की तरह – जहां चुनाव-पंडितों ने दौड़ को बराबरी पर ला दिया था, और द न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित अख़बारों ने तो फ्लोरिडा में ट्रंप द्वारा विजय-भाषण देने के बहुत बाद तक यह मानने से इनकार किए रखा कि वे जीत गए हैं – भारत में भी, हममें से कइयों ने अपने दिल को अपने दिमाग पर हावी होने दिया, संयोगवश दोनों दिशाओं में। साल 2014 और 2019 में, हम यह यकीन नहीं कर पा रहे थे कि भारतीय अपने दोनों हाथों से मोदी को वोट दे रहे हैं, साल 2022 में, हमने यह मानने से इनकार कर दिया कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में जीत हासिल की है – हमने कहा, क्या कोविड-19 के दौरान हुई हज़ारों मौतें इस बात का सुबूत नहीं हैं कि ईश्वर स्वयं उनके खिलाफ हो गए हैं? साल 2024 में, हमें उतनी ही हैरानी हुई जब उसी उत्तर प्रदेश ने खुद को पूरी तरह से भाजपा को सौंपने से इनकार कर दिया। इन तमाम मामलों में, हमने खुद को मुगालतों में इतनी गहराई तक डुबो दिया कि ज़मीनी हकीकत पर ध्यान देने से आंखें मूंद लीं। इससे भी बदतर, एक बार जब ये जनादेश हमारे सामने थे, तब भी हममें से कई लोगों ने उन्हें सीधे तौर पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हमने जोर देकर कहा कि मोदी और ट्रम्प के साथ कुछ तो गड़बड़ है – जो सच हो भी सकता है और नहीं भी। बदतर यह कि, हम राहुल गांधी या कमला हैरिस में से किसी पर भी वही सख्त पैमाना लागू करने से बचे। तो आइए, आज तथ्यों का सामना करें। तथ्य यह है कि हैरिस इसलिए हारी क्योंकि उसने किसी भी मुद्दे पर डटने की कोशिश नहीं की– भले ही ट्रम्प का कई मामलों में नाम है, उनकी छवि यौन उच्छृंखलता के आरोपों वाली है या इससे भी अधिक बुराइयां होने की है, लेकिन कम से कम उन्होंने इमिग्रेशन बंद करके (जो भारत के लिए बुरी खबर है) अमेरिका में रोजगार की उपलब्धता बढ़ाने का वादा किया। जहां तक राहुल का सवाल है, तथ्य यह है कि मेरे जैसे लोग डिनर के दौरान सियासत पर चर्चा में बेशक उनके कई विचारों से दिल से सहमत होंगे, लेकिन संकोचपूर्वक यह भी स्वीकार करेंगे कि ऐसा कौन सा मुद्दा है, जिसके लिए वे लड़ मरने को तैयार हों। अमेरिका और भारत जैसे प्रदूषित लोकतंत्र में बल्कि ट्रम्प और मोदी जैसी शिख्सयतों को चुनना पसंद करेंगे क्योंकि वे इसकी गिरावट या रूपांतरण से समाज को मिली अराजकता का सरलीकरण करने में सक्षम हैं। जिन लोगों को हम चुनते हैं उनके जीवन के स्याह पक्षों को अनदेखा कर देते हैं–चाहे यह 6 जनवरी, 2021 को अमेरिका के सत्ता केंद्र यानि व्हाईट हाउस पर ट्रंप समर्थकों का हमला हो या फिर 2002 में गुजरात में घटा दुःस्वप्न हो- क्योंकि हम उनके वर्तमान आश्वासनों में यह सुकून ढूंढ़ते हैं कि वे हमारे मौजूदा कठिन जीवन को बेहतर बनाएंगे। वे हमें सहज ढंग से यह पेश करते हैं। उनके विरोधियों पर यकीन करने से अधिक हमें उन पर अविश्वास कम होता है। मतदाताओं ने ट्रंप को वोट देने की एक वजह यह बताई – यहां तक कि डेमोक्रेट पार्टी के रिवायती समर्थक दक्षिणी अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के अश्वेत लोगों की बहुलता वाले जिले भी लगभग पूरी तरह से उनके पक्ष में चले गए, इसके अलावा उनके लेटिन वोट में 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ – क्योंकि उनका मानना था कि डेमोक्रेट्स अपने मतदाताओं को हल्के में लेने लगे हैं। यह कुछ सुना-सुना सा लगता है न? निश्चित रूप से यह राहुल की कांग्रेस की तरह है, खासकर वे जो शिकायत कर रहे हैं कि हरियाणा में ईवीएम में धांधली थी। मतदाताओं ने हैरिस के खिलाफ रुख दिखाया, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मामले में किया, जब उन्होंने अपनी पार्टी के कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और बीरेंद्र सिंह जैसे नाराज़ नेताओं को साथ लेकर चलने से इनकार कर दिया। हरियाणा के हर निर्वाचन क्षेत्र के अपने माइक्रो-मैनेजमेंट से गैर-जाट वोटों पर ध्यान केंद्रित करने वाली भाजपा की तरह, डाटा दिखाता है कि ट्रंप ने पिछले 40 वर्षों में किसी भी अन्य रिपब्लिकन उम्मीदवार की तुलना में अधिक गैर-श्वेत वोट जीते हैं। बदतर कि जब यूपी में भाजपा ने 29 सांसद गंवाए और इसके परिणामवश लोकसभा में बहुमत, तो कांग्रेस इसका राग अलापना नहीं छोड़ा, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने जल्द बूझ लिया कि आधे-अधूरे नीतिगत निर्णयों जैसी कोई अवस्था नहीं होती इसलिए वे बतौर प्रधानमंत्री वह सब करने में सक्षम हैं जो पूर्ण बहुमत के साथ करते। लिहाजा अपनी सत्ता को मजबूत करने और यूपी का बदला चुकाने का एकमात्र रास्ता आने वाले प्रांतीय चुनावों को जीतना है-हरियाणा हो या महाराष्ट्र या फिर झारखंड। हालांकि, ऐसा लगता है कि पंजाब पर अलग नियम लागू किए जा रहे हैं – एक ऐसा राज्य जो मोदी के सामने डटकर खड़ा हुआ और उन्हें तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर किया। पिछले कुछ हफ्तों में धान की खरीद में भारी मुश्किल के बारे में बहुत सारे सवाल पूछे जा रहे हैं – क्या इसे टाला नहीं जा सकता था, इस परिप्रेक्ष्य में कि पंजाब एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य है, जो कृषि पर काफी हद तक निर्भर है? क्या केंद्र को समझदारी से पंजाब से अन्य राज्यों को धान की निकासी नहीं करवानी चाहिए? ऐसा क्यों है कि इस साल ही भारतीय खाद्य निगम ने यह खोज की कि पंजाब ने जो चावल अरुणाचल प्रदेश और कर्नाटक को भेजा, वह खराब है? शायद, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही नकारात्मकता की बू इसमें कुछ सही लगे।

जीवन मंत्र

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

क्या जिम्मेदारी बोझ है

जब आप महसूस करते हैं कि 'मैं जिम्मेदार हूं', तब आप अपनी जिंदगी को स्वेच्छापूर्वक उत्तर देते हैं। इसलिए स्वर्ग और नरक मृत्यु के बाद जाने की जगहें नहीं हैं। ये तो ऐसी संभावनाएं हैं, जिन्हें आप यहीं पैदा कर सकते हैं।

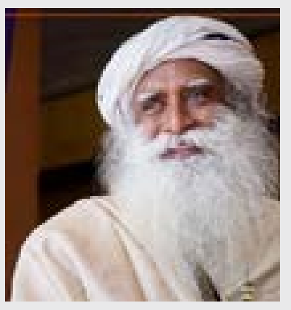

आम तौर पर जिम्मेदारी का नाम लेते ही भारी-भरकम बोझ ढोने के रूप में अर्थ लगाने वाले लोग अधिक हैं। दरअसल, गलती से कर्तव्य समझने के कारण ही आपको जिम्मेदारी बोझ लगती है। बचपन से ही घर-कुनबे के बड़े-बुजुर्गों ने आपको 'कर्तव्य भावना' की घुट्टी पिलाई होगी। बेटे-बेटी को पढ़ाना-लिखाना पिता का कर्तव्य है। बुजुर्ग पिता की देखभाल पुत्र का दायित्व है। छात्र को शिक्षा देकर तैयार करना अध्यापक का कर्तव्य है। कानून का पालन करना नागरिकों का कर्तव्य है। सरहद पर खड़े होकर देश की रक्षा करना सेना का फर्ज है- कुछ इसी तरह की बातें बताते-सुनाते हुए उन्होंने कर्तव्य नामक शब्द को आपके अंदर गहराई से बोया होगा। याद रखिए, कर्तव्य मानकर आप जो भी काम करेंगे, उसमें आपको थकान ही महसूस होगी; रक्तचाप बढ़ेगा... इसलिए जिम्मेदारी को कार्य या कर्तव्य समझना छोड़ दीजिए। इसे चेतना के रूप में मानने का अभ्यास कीजिए। चाहे कोई काम हो, जब आप चेतना के स्तर पर किसी काम की जिम्मेदारी लेते हैं, तब आपके अंदर यह भावना जगती है- यह मेरा है। फिर वह बोझ नहीं लगता।

हुयदी नाम के एक जेन गुरु थे। वह अपने कंधे पर हमेशा एक बड़ी गठरी को ढोते चलते थे। गठरी के अंदर जाने क्या-क्या चीजें होंगी। गांवों से गुजरते हुए छोटे बच्चों को उसमें से मिठाइयां निकालकर बांटते थे। एक बार कोई अन्य जेन गुरु सामने से आ रहे थे। उन्होंने पूछा, 'जेन का मतलब क्या है?' हुयदी ने फौरन अपनी गठरी को नीचे डाला और तनकर खड़े हो गए। 'जेन का उद्देश्य क्या है?' अगला सवाल फूट पड़ा। हुयदी ने नीचे रखी गठरी को फिर से उठाकर कंधे पर रखा और चल दिए। उन्होंने संकेत से यही सुझाया कि गठरी को अपना न मानते हुए उसे नीचे डाल भी सकते हैं, और उसे खुशी-खुशी ढो भी सकते हैं।

जब आप महसूस करते हैं कि यह पृथ्वी मेरी है, तो इसे अपने सिर पर रख लेने पर भी उसमें भार अनुभव नहीं होगा, लेकिन इसके लिए मैं जिम्मेदार नहीं, यह सोचते हुए एक आलपिन भी हाथ में लेंगे, तो उसका वजन टनों में महसूस होगा। क्या यह ऐसी सच्चाई नहीं, जिसका अनुभव आप रोज करते हैं?

जब आप महसूस करते हैं कि 'मैं जिम्मेदार हूं', तब आप अपनी जिंदगी को स्वेच्छापूर्वक उत्तर देते हैं। इसलिए स्वर्ग और नरक मृत्यु के बाद जाने की जगहें नहीं हैं। ये तो ऐसी संभावनाएं हैं, जिन्हें आप यहीं पैदा कर सकते हैं। चाहे वह आपका कार्यालय हो, घर हो, बाजार हो, विद्यालय हो, खेल का मैदान हो; आप कहीं भी रहें और परिवेश कैसा भी हो, अगर आप इच्छा से और पूर्ण रूप से उत्तर देना सीख गए, तो यह जिंदगी आपके लिए हमेशा स्वर्ग बनी रहेगी।

जीवन ऊर्जा

पांडुरंग महादेव बापटः जन्म -12 नवंबर 1880

जन्म

पांडुरंग महादेव बापट का जन्म 12 नवंबर 1880 को हुआ था। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी और समाज सुधारक थे, जिन्हें ₹सेनापति बापट₹ के नाम से जाना जाता है। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए कई आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनका निधन 28 नवंबर 1967 को हुआ।

हर इंसान में बदलाव की चिंगारी होती है

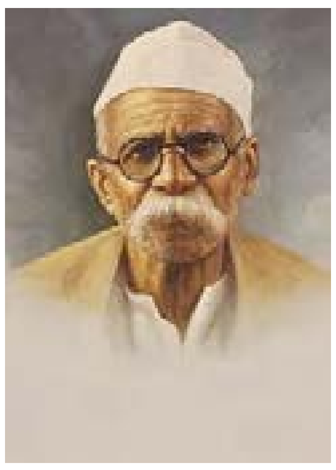

देश के लिए मर मिटने का जुनून हो तो हर बाधा छोटी लगती है। आजादी की लड़ाई सिर्फ अंग्रेजों से नहीं बल्कि अपने अंदर की कायरता से भी है। एक सच्चा क्रांतिकारी वही है जो समाज को जागरूक कर सके। देश की स्वतंत्रता के बिना हमारा जीवन अधूरा है। स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है इसे हम लेकर रहेंगे। दुश्मनों के सामने झुकना नहीं बल्कि अपनी ताकत से उन्हें मात देना हमारा धर्म है। हर इंसान में बदलाव की चिंगारी होती है जरूरत उसे भड़काने की है। समाज की सेवा ही असली धर्म है। त्याग और सेवा के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं है। आजादी की राह में जो कठिनाई आए उसे अपना सौभाग्य समझो। हमारा हर कार्य राष्ट्रहित में होना चाहिए। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीति नहीं।

सक्सेस मंत्र

हर किसी को मित्र बनाने से बचें

इंसान का स्वभाव होता है कि हर कोई उसकी तारीफ करे। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। लेकिन, ये चाहत आपकी नेतृत्व क्षमता को प्रभावित कर सकती है। खासतौर से कार्यस्थल पर, तो इसके नुकसान भी सामने आ सकते हैं। बेशक सबसे बना कर रखना अच्छी बात है, लेकिन हर किसी को मित्र सूची में शामिल करना मुसीबत बन सकता है। खासकर तब, जब आप टीम का नेतृत्व कर रहे हों। अमेरिका के बेसबॉल खिलाड़ी जॉर्डन मोंटगोमेरी ने एक इंटरव्यू में अच्छे टीम लीडर के कुछ गुर बताए हैं।

जॉर्डन मोंटगोमेरी ने कहा, 'कार्यस्थल पर टीम के साथ दोस्ताना व्यवहार शुरुआत में सफलता की वजह बनता दिख सकता है, लेकिन धीरे-धीरे टीम की प्रस्तुति पर नकारात्मक असर सामने आते हैं, क्योंकि इसके बाद टीम के साथ 'दोस्ती' का तमगा हटाया नहीं जा सकता। कई बार किसी काम को लेकर टीम को चुनौती देना या किसी काम के लिए जिम्मेदार ठहराना कठिन हो जाता है। इसलिए लीडर का मतलब दोस्त होना नहीं, बल्कि दूसरों की क्षमता के अनुसार चुनौतियां देकर ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।'

जॉर्डन मोंटगोमेरी कहते हैं, 'टीम के साथ दोस्ती रखना गलत नहीं है, लेकिन यह मुख्य मकसद नहीं हो सकता। हालांकि एक लीडर टीम के साथ अच्छा दोस्त नहीं हो सकता इसकी भी वजह नहीं है, लेकिन नेतृत्व के वक्त क्लियर रहना चाहिए। परफॉरमेंस सुधारने के मामले में इसके दीर्घकालिक लाभ दिखाई देंगे। अगर टीम के साथ 'फ्रेंड जोन' में जा रहे हैं, तो आपको दो परिवर्तन लाने होंगे।'

मोंटगोमेरी बोले, 'गलतियां होने पर टीम लीडर को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि आप टीम के साथ 'फ्रेंड जोन' में हैं। इसलिए आपके अपने एक्शन और पसंद रहीं।'

शख्सियत | मॉनियर मॉनियर-विलियम्स

भारतीय संस्कृति के सच्चे साधक

मॉनियर मॉनियर-विलियम्स एक प्रसिद्ध ब्रिटिश संस्कृत विद्वान और भाषाविद थे, जिन्होंने भारतीय धर्मों और संस्कृत भाषा के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जन्म 12 नवंबर 1819 को बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था। उनके पिता ऑर्चडिकन मॉनियर विलियम्स थे, जो एक अंग्रेज पादरी थे। मॉनियर-विलियम्स का जीवन और कार्य भारतीय संस्कृति, धर्म, और भाषाओं के प्रति उनके गहरे लगाव का प्रतीक है।

मॉनियर-विलियम्स ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा इंग्लैंड में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और ईस्ट इंडिया कंपनी कॉलेज में प्राप्त की, जहाँ उन्होंने संस्कृत भाषा, साहित्य और हिंदू धर्म के अध्ययन में विशेष रुचि ली। 1844 में वे इंग्लैंड लौटे और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में संस्कृत के प्रोफेसर बने। उन्होंने ₹संस्कृत-इंग्लिश डिक्शनरी₹ का संकलन किया, जो संस्कृत के विद्वानों और छात्रों के लिए आज भी एक महत्वपूर्ण संसाधन मानी जाती है। इसके साथ ही, उन्होंने ₹हिंदूइज्म₹ और ₹बौद्धिज्म₹ जैसी पुस्तकों के माध्यम से पश्चिमी पाठकों को भारतीय धार्मिक विचारधाराओं से परिचित कराया। 1883 में मॉनियर-विलियम्स ने ₹ऑक्सफोर्ड इंडियन इंस्टीट्यूट₹ की स्थापना की, जो भारतीय संस्कृति और धर्म के अध्ययन के लिए एक प्रमुख केंद्र बन गया। उनका मानना था कि भारतीय समाज को समझने के लिए इसकी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का गहन अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म का विस्तार से अध्ययन किया और भारतीय ग्रंथों का अनुवाद कर पश्चिमी विद्वानों के लिए इसे सुलभ बनाया। मॉनियर-विलियम्स का निधन 11 अप्रैल 1899 को इंग्लैंड में हुआ। उनके निधन के साथ ही संस्कृत और भारतीय अध्ययन के क्षेत्र में एक युग का अंत हुआ। उनके द्वारा स्थापित संस्थान और रचनाएँ आज भी भारतीय और पश्चिमी विद्वानों के बीच संवाद को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होती हैं। उनके योगदान ने भारतीय संस्कृति और पश्चिमी समाज के बीच सेतु बनाने में अहम भूमिका निभाई।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

श्राप, श्राप देने वाले को ही प्राप्त होता है

व्यास जी ने कहा मैं अकेले भोजन नहीं करूंगा। अपने दश हजार शिष्यों के साथ भोजन करूँगा। क्या तुम्हारे यहां इतने लोगों को तृप्त करने भर क्षमता है। स्त्री ने कहा मेरे पति के कारण मेरे घर सब कुछ भरा हुआ है।

व्यास जी ने सभी शिष्यों को शीघ्र ही बुला लिया। दरवाजे पर आवाज दी। सभी को पैर धुलाकर लोगों ने बैठाया और सुस्वादु भोजन कराया। भोजन के बाद सभी को चंदन की माला दी गयी और नये वस्त्र दिए गये। वृद्ध गृहपति मुनि को शिष्यों के साथ तृप्ति कारक भोजन से आह्लादित होते देखता रहा। चलते समय व्यास जी ने गृहिणी को आशीर्वाद दिया। अकस्माद् वृद्ध गृहपति ने गृहिणी से कहापूछोतीर्थ में वास करते समय कौन सा धर्म होता है ये जो बतलायेंगे उसे ही हम जीवन में अपनायेंगे।

व्यासजी ने कहातीर्थ में रहते हुये अनुद्वेग कारक वचन बोलना चाहिये। दूसरे के उत्कर्ष को सहना चाहिये।

सुविचार पूर्वक बोलना चाहिए और भाग्योदय का चिंतन करते रहना चाहिये

अनुद्वेगकरं वाक्यं परोत्कर्ष-सहिष्णुता ।

विचारकारितानित्यं स्वधिष्णयोदयचिन्तनम् ।।९६/१७९

वृद्ध गृहपति ने पूछा हे विद्वन्इनमें से कितने धर्मगुण आप में निहित हैं?

इतना सुनते ही व्यास जी स्थगित से हो गये।वे कुछ बोल ही नहीं पाये।

पुनः वृद्ध गृहपति ने कहा- आप में ही दया,धर्म है।काम क्रोध का निग्रह है।आप में ही सभी संभावनायें हैं।आप ही अनुद्वेग कर बोलना जानते हैं।आपमें ही परउत्कर्ष सहिष्णुता है।विचार पूर्वक बोलने के तो आप महान आलय हैं।उदय के कारण के चिंतक आप जैसा कौनहै

हे विद्वान

काशी को शाप देकर आपने किस स्वार्थ की सिद्धि प्राप्त कर ली और यह किसके दुर्भाग्य का कारण बनाइसमें प्रत्यक्ष दोष किसका रहायदि प्रत्यक्ष कारण के बिना शाप दिया जाए तो परिणाम क्या होता है

व्यास जी ने कहावह शाप शाप देने वाले को ही प्राप्त होता है। वृद्ध ने कहा

यदि आपको भ्रमण काल में भिक्षा नहीं मिली तो इसमें क्षेत्रमें रहने वालोंका दोष कैसे सिद्धहुआ

सुनो तपस्वी मेरी इस राजधानी की ऋद्धि को जो नहीं देख पाता वही शाप देता है। अकारण क्रोध करने वाले मुनि तुम मेरे इस क्षेत्र में नहीं रह सकोगे।इसी क्षण मेरे इस क्षेत्र से अविलम्ब तुम बाहर चले जाओ।अकारण दिया हुआ शाप तुम्हारे ऊपर ही काम करेगा।मेरा यह मुक्ति दाता क्षेत्र तुम्हारे जैसे लोगों के लिए नहीं है।जो मेरे क्षेत्र के लोगों के प्रति दुष्टता करता है उसकी परिणति घोर पिशाच की ही होती है।

व्यास जी सब कुछ समझ चुके थे।उनका शरीर थर थर कांप रहा था।जिह्वा शुष्क हो गयी थी।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

तीन परिवारों ने झारखंड को लूटा : सीएम योगी

योगी ने कहा, चाहे सुरक्षा हो या सुशासन, सिर्फ बीजेपी ही दे सकती है

एजेंसी । रांची

झारखंड में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का स्नेह भाजपा की विकासपरक नीतियों पर भरोसे का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने काह कि राज्य की सुशासनप्रिय व राष्ट्रवादी जनता हर बूथ पर 'कमल' खिलाने के लिए तैयार है। योगी ने हुंकार भरते हुए कहा कि झारखंड में माफिया पनप रहे हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि उत्तर प्रदेश आपके ठीक बगल में है। जाकर देख लीजिए, कानून व्यवस्था से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता।

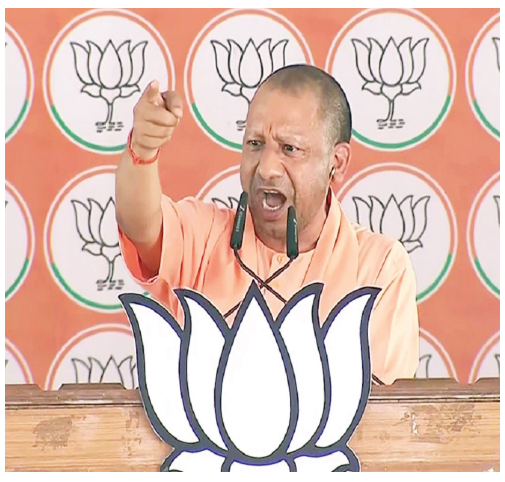

विकसित झारखंड बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी : योगी आदित्यनाथ

योगी ने साफ तौर पर कहा कि अगर किसी ने ऐसा किया या किसी उत्सव में खलल डालने की कोशिश की तो यमराज के पास जाने का टिकट बुक हो जाता है। चाहे सुरक्षा हो या सुशासन, सिर्फ बीजेपी ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, झामुमो और आरजेडी, ये तीन परिवार झारखण्ड को एक धर्मशाला बनाकर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को अराजकता फैलाने की पूरी छूट दे रखे हैं। योगी ने जोर देते हुए काह कि झारखण्ड को बचाने के लिए, विकसित झारखण्ड बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी है।

रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठियों को अराजकता फैलाने की खुली छूट

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा हो, सम्मान हो, समृद्धि हो या सुशासन, यह केवल और केवल भाजपा ही दे सकती है। भाजपा आएगी, पत्थरबाजों का उपचार कर देगी। आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया, पत्थरबाजों और अराजकता फैलाने वालों और त्योहारों में गड़बड़ी पैदा करने वालों के 'इलाज' के लिए झारखंड में डबल इंजन सरकार की जरूरत है। भवनाथपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया, 'झारखंड को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए धर्मशाला में बदल दिया गया है, जिन्हें अराजकता फैलाने की खुली छूट दी गई है।'

'बटेंगे तो काटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे'

उन्होंने लोगों से एकजुट रहने का आग्रह करते हुए कहा कि अगर बंटे तो वे मिट जाएंगे। उन्होंने कहा, "बटेंगे तो काटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार ने भ्रष्टाचार, अराजकता और प्राकृतिक संसाधनों की लूट को बढ़ावा दिया। सोरेन परिवार, लालू प्रसाद के परिवार और गांधी परिवार के स्पष्ट संदर्भ में उन्होंने आरोप लगाया कि रांची, पटना और दिल्ली में तीन परिवारों ने व्यक्तिगत विकास के लिए लूट और भ्रष्टाचार किया। उन्होंने आरोप लगाया, 'झामुमो के नेतृत्व वाले शासन में प्राकृतिक संपदा की लूट हो रही है, मजदूर झारखंड से पलायन करने को मजबूर हैं और किसान आत्महत्या कर रहे हैं।'

न्यूज़ ब्रीफ

30 दिन के लिए जेल से बाहर आया आसाराम

जोधपुर। रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम जेल से बाहर आ गया है। जोधपुर हाईकोर्ट ने 7 नवंबर को आसाराम को इलाज के लिए 30 दिन की पैरोल दी थी। वह जोधपुर के भगत की कोठी स्थित निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में अपना इलाज करवाएगा।

ट्रंप के खिलाफ 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में गड़बड़ी के मामले खत्म

वाशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद अमेरिकी कोर्ट ने उनके खिलाफ 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में गड़बड़ी के मामले में लंबित समय-सीमा को रद्द कर दिया। अदालत ने यह फैसला तब सुनाया जब अभियोजकों ने कहा कि वे ट्रंप के व्हाइट हाउस में लौटने की अभूतपूर्व परिस्थिति से जूझ रहे हैं। ट्रंप पर 2020 के चुनावों के नतीजों को पलटने की साजिश रचने और अपने घर में अवैध रूप से वर्गीकृत दस्तावेज जमा करने का आरोप लगाया गया था।

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडरा रहा : भागवत

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास के बीच जारी संघर्षों के मद्देनजर ऐसा प्रतीत हो रहा कि तृतीय विश्व युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। मध्य प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र की संघ की दिवंगत महिला पदाधिकारी डॉ. उर्मिला जामदार की स्मृति में आयोजित एक व्याख्यान में भागवत ने कहा, 'हम सभी को तृतीय विश्व युद्ध का खतरा मंडराता महसूस हो रहा है। इस बात की अटकलें लग रही हैं क्या यह यूक्रेन या गाजा में शुरू हो सकता है।

स्वामीनारायण मंदिर के दो सौ साल हुए पूरे

नई दिल्ली। वड़ताल के स्वर्ण मंदिर के देवालय में विराजित श्री लक्ष्मीनारायण देव के आशीर्वाद से द्विशताब्दी महोत्सवके अवसर पर भारत सरकार ने 200 रुपए का शुद्ध चांदी का सिक्का जारी किया। अब भारत सरकार के चांदी के सिक्के पर वड़ताल का स्वर्ण मंदिर है। इसको लेकर पीएम मोदी ने अपने विचार व्यक्त किए हैं, पीएम ने कहा, यह प्रतीक चिह्न आने वाली पीढ़ियों के मन में इस महान अवसर की स्मृति को जीवित रखेगा। पीएम ने आगे कहा, 'मैं दिल से आपके बीच ही हूं, मैं मन से पूरी तरह से वड़ताल धाम में ही हूं। वड़ताल धाम आज मानवता की सेवा और युग निर्माण का आधार बन चुका है।'

सालभर पटाखे बैन करने पर फैसला लें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार से कहा कि दिल्ली में सालभर पटाखा बैन पर 25 नवंबर से पहले फैसला लें। दिल्ली सरकार के वकील ने कोर्ट के सामने कहा था कि हम पटाखा बैन को पूरे साल लागू करने का फैसला सभी संबंधित विभागों से सलाह के बाद लेंगे। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने दिल्ली पुलिस से कहा, ₹दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधों को गंभीरता से लागू नहीं किया।₹ कोर्ट ने कहा कि दिल्ली पुलिस कमिश्नर पटाखों पर बैन लगाने के लिए स्पेशल सेल बनाएं। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह 25 नवंबर से पहले पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने का फैसला करे।

हिंदुत्व विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे

कनाडा की शह से पन्नू की बढ़ी हिम्मत, वीडियो जारी कर दी बड़ी धमकी

एजेंसी । नई दिल्ली

खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अयोध्या राम मंदिर पर हमले की धमकी दी है। उसने कहा है कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी। कहा जा रहा है कि पन्नू ने यह वीडियो कनाडा के ब्रैम्पटन में रिकॉर्ड किया है। कनाडा के प्रोत्साहन से खालिस्तानियों के हौंसले इस हद तक बढ़ गए हैं कि खालिस्तानी अब सीधे तौर पर अयोध्या में राम मंदिर को निशाना बनाने की धमकी देने लगे हैं। खालिस्तानी आतंकी (कनाडा स्थित आतंकवादी) गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी कर हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्र राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दी है।

'16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में होगी हिंसा'

आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख पन्नू ने जारी एक वीडियो में कहा कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी।

कहा जा रहा है कि पन्नू ने यह वीडियो कनाडा के ब्रैम्पटन में रिकॉर्ड किया है। वीडियो में राम मंदिर और कई अन्य हिंदू धार्मिक स्थलों के खिलाफ हिंसा भड़काने की भी धमकी दी गई है। पन्नू ने वीडियो में आगे कहा कि हम हिंदुत्व विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे। पन्नू की इस धमकी को भारत के सबसे पवित्र स्थानों में से एक (राम मंदिर) पर सीधी धमकी माना जा रहा है। पन्नू के वीडियो में पीएम मोदी की अयोध्या राम मंदिर में प्रार्थना करते हुए तस्वीरें भी दिखाई दे रही हैं। खालिस्तानी आतंकवादी ने कनाडा में रहने वाले भारतीयों को हिंदू मंदिरों पर खालिस्तानी हमलों से दूर रहने की भी धमकी दी है।

लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलता रहता है पन्नू

भारत से फरार भगोड़ा पन्नू लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलता रहता है। यह कनाडा में भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा करने के लिए खालिस्तानियों को उकसाता रहता है। इससे पहले खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने भारत को धमकी देते हुए प्लेन उड़ाने की बात कही थी। पन्नू ने कहा था कि सिख दंगों के 40 साल पूरे होने पर एअर इंडिया की फ्लाइट पर हमला हो सकता है। पन्नू ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों से 1 से 19 नवंबर तक एअर इंडिया में उड़ान न भरने की चेतावनी दी थी।

टाइटलर के खिलाफ हत्या का मुकदमा जारी रहेगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ 1984 दंगा मामले में हत्या के मुकदमे पर सुनवाई जारी रहेगी। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ टाइटलर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। टाइटलर ने सत्र अदालत में उनके खिलाफ चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। पीठ ने कहा कि टाइटलर की याचिका पर 29 नवंबर को सुनवाई होगी, लेकिन यह स्पष्ट किया कि इस दौरान सत्र अदालत में इस मामले की सुनवाई जारी रहेगी। टाइटलर के वकील ने कहा कि मुकदमा 12 नवंबर को निचली अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष के गवाह के साक्ष्य दर्ज करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। निचली अदालत से कहा जाना चाहिए कि जब तक उच्च न्यायालय आरोप तय करने के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका पर फैसला नहीं कर देता, तब तक वह आगे नहीं बढ़े। पीठ ने कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय में नियमित तौर पर सुनवाई होगी।

महाराष्ट्र-झारखंड चुनाव के बीच बढ़ेंगी राहुल गांधी की मुश्किलें

इस मुद्दे को लेकर दर्ज होगी FIR?

एजेंसी । नई दिल्ली

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। वहीं झारखंड में 81 विधानसभा सीटों के लिए 13 और 20 नवंबर को मतदान होना है। इस बीच, भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की है। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली के दौरान जनसभाओं में झूठ बोला और निराधार आरोप लगाकर भाजपा को बदनाम किया।

भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी चुनावी रैलियों में भाजपा पर

आधारहीन आरोप लगा रहे हैं। वह बार-बार भाजपा पर संविधान को खत्म करने का आरोप लगा रहे हैं, जो पूरी तरह निराधार है। भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायतकेंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मुलाकात की और उन्हें बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 6 नवंबर को महाराष्ट्र चुनाव के दौरान एक बार फिर झूठ बोला।

अर्जुन राम मेघवाल ने चुनाव आयोग से कहा कि उन्होंने राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश की। उन्होंने संविधान की धज्जियां उड़ाईं। उन्होंने झूठे और निराधार आरोप लगाए और कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करने जा रही है। उनका बयान झूठ है। उन्होंने कहा कि हमने चुनाव आयोग से कहा है कि इस पर रोक लगनी चाहिए।

आदी हो चुके हैं राहुल गांधी: मेघवाल

मेघवाल ने बताय कि उन्होंने चुनाव आयोग से यह भी कहा है कि राहुल गांधी ऐसा करने के आदी हो चुके हैं। चेतावनी और नोटिस के बावजूद वह ऐसा करने से वह लगातार वही दोहरा रहे हैं। मेघवाल ने बताया कि "हमने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 353 के तहत एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। आपको बता दें कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। पिछले चुनाव में बीजेपी को 105, शिवसेना को 56, एनसीपी को 54 और कांग्रेस को 44 सीटें मिली थीं।

जस्टिस खन्ना बने देश के 51वें सीजेआई

एजेंसी । नई दिल्ली

विशेष संवाददाता जस्टिस संजीव खन्ना ने सोमवार को देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बन गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई। उन्होंने पूर्व सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का स्थान लिया है।

अंग्रेजी में शपथ ली

सीजेआई के पद पर जस्टिस खन्ना ने अंग्रेजी में शपथ ली। 14 मई, 1960 को जन्मे जस्टिस खन्ना 6 माह से कुछ अधिक समय तक सीजेआई के पद पर रहेंगे 13 मई, 2025 को सेवानिवृत हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट में जजों की सेवानिवृति की उम्र 65 साल है। उन्होंने पूर्व सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का स्थान लिया है जो 65 वर्ष की उम्र पूरी होने के साथ ही 10 नवंबर को सेवानिवृत हो गए। राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ के अलावा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व प्रधान न्यायाधीश जे. एस. खेहर के अलावा कई महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट लोग भी शामिल हैं।

शुभकामनाओं के लिए वकीलों का जताया अभार

सीजेआई के पद पर शपथ लेने के बाद जस्टिस संजीव खन्ना ने अपना कार्यभार संभाल लिया और उन्होंने सीजेआई के रूप में सुप्रीम कोर्ट में मामलों की सुनवाई भी की। अदालत की कार्यवाही शुरू होने पर वहां मौजूद वकीलों ने शुभकामनाएं देने के साथ ही, उनसे कुछ मांग भी कर डाली। सीजेआई खन्ना ने उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए वकीलों का आभार व्यक्त किया। दरअसल, जस्टिस संजय कुमार के साथ उन्होंने बतौर सीजेआई पहले दिन पीठ को साझा किया। सीजेआई खन्ना के अदालत में आते ही वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने कार्यवाही की शुरुआत में कहा कि 'मैं सीजेआई के रूप में आपके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं। इसके अलावा अदालत में मौजूद अन्य वकीलों ने भी सीजेआई खन्ना को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी से धन्यवाद कहा। इस दौरान एक अधिवक्ता ने सुनवाई के लिए एक दिन में सूचीबद्ध मामलों के अनुक्रम से संबंधित मुद्दा उठाया, तो सीजेआई खन्ना ने कहा कि यह मुद्दा उनके ध्यान में है और वह इस पर विचार करेंगे।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने 11 उग्रवादियों को मार गिराया

CRPF चौकी पर हमला करने पहुंचे थे, दो जवान भी घायल, 5 लोग लापता

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर के जिरिबाम जिले में सोमवार को CRPF जवानों ने एनकाउंटर में 11 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया। घटना दोपहर 2.30 बजे बोरोबेकेरा के जकुराडोर करोंग इलाके की है। यहां के पुलिस स्टेशन और CRPF चौकी पर इन उग्रवादियों ने हमला किया था। जवाबी कार्रवाई के दौरान सीआरपीएफ के 2 जवान भी घायल हुए, इनमें एक की हालत गंभीर है। ये इलाका असम सीमा से लगा हुआ है।

कुकी उग्रवादियों के निशाने पर

पुलिस स्टेशन के नजदीक ही मणिपुर हिंसा में विस्थापित लोगों के लिए एक राहत शिविर है। यहां रह रहे लोग कुकी उग्रवादियों के निशाने पर हैं। शिविर पर पहले भी हमले हो चुके हैं। एहतियातन इस इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई और अगले आदेश तक कर्फ्यू लगाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक उग्रवादी सैनिकों जैसी वर्दी पहने थे। इनके पास अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद थे। मारे गए उग्रवादियों के शवों को बोरोबेकेरा पुलिस स्टेशन में रखा गया।

5 लोगों के किडनैपिंग की आशंका, इंफाल में किसान की हत्या

सूत्रों ने बताया कि पुलिस स्टेशन पर हमला करने के बाद उग्रवादी पुलिस स्टेशन से एक किलोमीटर दूर जकुराडोर करोंग में एक छोटी सी बस्ती की ओर भागे और घरों में आग लगाना शुरू कर दिया। इस दौरान वे सुरक्षाबलों पर गोलियां बरसाते रहे। इस दौरान 5 लोगों के लापता होने की खबर है। दावा है कि उग्रवादियों ने इन्हें अगवा कर लिया है। सोमवार को ही मणिपुर के याइंगंगपोकपी शांतिखोंगबन इलाके में खेतों में काम कर रहे एक किसान पर उग्रवादियों ने पहाड़ी से गोलीबारी की। इसके कारण एक किसान की मौत हो गई। इसके अलावा कई किसानों को चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि इस इलाके में उग्रवादी लगातार तीन दिन से पहाड़ी से निचले इलाकों में फायरिंग कर रहे हैं।

पहले चरण में कल 43 सीटों पर मुकाबला

एजेंसी । रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 43 सीटों पर सोमवार को चुनाव प्रचार थम गया। इन सीटों पर बुधवार को सुबह सात बजे से मतदान शुरू होगा। मतदान शाम पांच बजे तक होंगे पर कुछ संवेदनशील बूथों पर समयसीमा चार बजे तक की रखी गई है। बता दें कि शेष 38 सीटों के लिए दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को की जाएगी।

प्रत्याशियों की संख्या

- 683 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे
- 06 एससी और 20 एसटी सीटें
- 334 निर्दलीय मैदान में उतरे
- 87 प्रत्याशी राष्ट्रीय पार्टियों के
- 32 प्रत्याशी राज्य के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के 42 प्रत्याशी दूसरे राज्यों के मान्यता प्राप्त दलों की टिकट से लड़ रहे
- 73 महिला प्रत्याशियों के भाग्य का निर्णय होगा, जिनमें 34 निर्दलीय
- 01 थर्ड जेंडर प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में हैं

पहले चरण में मतदाता

- 1,36,85,509 कुल
- 68,65,208 पुरुष
- 68,20,301 महिलाएं
- 1,91,553 दिव्यांग
- 301 थर्ड जेंडर
- 41,88,636 युवा मतदाता (18-30 की उम्र)

मतदान केंद्र

- 15,344 मतदान केंद्र बनाए
- 2628 शहरी मतदान केंद्रों की संख्या
- 12,716 ग्रामीण मतदान केंद्रों की संख्या
- 225 बूथों पर हेलीकॉप्टर से चुनाव कर्मियों को भेजा जा रहा

ये दिग्गज मैदान में

- पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, मंत्री रामेश्वर उरांव, रामदास सोरेन, बन्ना गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर, दीपक बिरूवा, बैद्यनाथ राम, सीपी सिंह, सरयू राय, भानू प्रताप शाही, नीरा यादव, नीलकंठ सिंह मुंडा, रामचंद्र चंद्रवंशी, कमलेश कुमार सिंह, केएन त्रिपाठी, गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की बहू पूर्णिमा दास, मंत्री सत्यानंद भोक्ता की बहू रश्मि प्रकाश, चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन के भविष्य का भी फैसला भी इस चरण के चुनाव में होना है

केरल उपचुनाव : वायनाड लोकसभा सीट पर मतदान कल

केरल की वायनाड लोकसभा और चेलाक्कारा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सोमवार को चुनाव प्रचार थम गया। दोनों सीटों पर बुधवार को मतदान होगा। वायनाड से कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी जबकि भाजपा की ओर से नाव्या हरिदास अपनी किस्मत आजमा रही हैं। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव रायबरेली और वायनाड दो जगह से लड़ा था, लेकिन उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी थी। इस वजह से यहां उपचुनाव कराए जा रहे हैं।

200 से अधिक सभाएं : इस चरण में अब तक 'इंडिया और एनडीए गठबंधन के प्रमुख प्रचारकों ने 200 से अधिक चुनावी सभाएं कीं।

भारत-रूस के बीच पांत्सिर एयर डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के एयर डिफेंस सिस्टम को और मजबूत बनाने के लिए भारत डाइनैमिक्स लिमिटेड (BDL) ने रूस के नई डील की है। ये डील एडवांस पांत्सिर एयर डिफेंस मिसाइल गन सिस्टम के लिए रूस सरकार के नियंत्रण वाली हथियार एक्सपोर्ट करने वाली कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (ROE) के साथ की गई है। पांत्सिर एयर डिफेंस सिस्टम वर्सेटाइल मोबाइल प्लेटफॉर्म है, जो आर्मी बेस और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को हवाई हमलों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है, इसमें एयरक्राफ्ट, ड्रोन और सटीक निर्देशित युद्ध सामग्री शामिल है। इसमें एडवांस रडार और

ट्रैकिंग सिस्टम है। जो 36 KM दूर और 15 KM की ऊंचाई तक के टारगेट का पता लगाने और अटैक करने की सक्षम है। दोनों देशों के बीच ये इस डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता गोवा में आयोजित 5वें भारत-रूस इंटर गवर्नमेंटल कमिशन (IRIGC) सबग्रुप मीटिंग के दौरान हुआ।

डील मेक इन इंडिया इनिशिएटिव का हिस्सा

BDL और ROE का टारगेट पांत्सिर वैरिएंट के मैन्यूफैक्टरिंग, टेक्नॉलिजी ट्रांसफर और जॉइंट डेवलपमेंट के लिए नए रास्ते तलाशना है। ये मेक इन इंडिया इनिशिएटिव के तहत डिफेंस प्रोडक्शन में सेल्फ डिपेंड होने के लिए भारत के टारगेट में शामिल है। भारत ने 2018 में रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए डील की थी। इस डील के तहत अगले 5 सालों में भारत को ये सभी एयर डिफेंस सिस्टम मिलने थे। भारत को अभी तक रूस ने सिर्फ 3 ही एयर डिफेंस सिस्टम भारत को दिए है।

खबर संक्षेप

कब पकड़े जाएंगे जिया के हत्यारे: 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

उरई। यूपी के उरई की बीएससी फाइनल ईयर की छात्रा व जिम ट्रेनर ने घर में चादर से फंदा लगाकर जान दी। घटना के समय वह घर में अकेली थी। मृतका की मां की तहरीर पर जिम संचालक व उसके तीन साथियों पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मृतका ने अपने मोबाइल पर वीडियो ऑन कर आत्मघाती कदम उठाया। इसके साथ ही अपनी मां को मैसेज भी भेजकर क्षमा मांगी और आरोपियों पर कार्रवाई करवाने की बात कही। मृतका ने अपने वीडियो मैसेज में अपनी मां को इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा है कि वह हिमांशु को ना छोड़े। उसने उसे प्रेम जाल में फंसाकर धोखा दिया है। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गणेशगंज निवासी स्व। महेश की 19 वर्षीय पुत्री स्नेहा कुमारी उर्फ जिया ने शनिवार को घर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के समय मां रानी ब्यूटी पार्लर में काम करने गई थीं। जबकि भाई मयंक बाहर किसी काम से गया था। देर रात जब मां घर पहुंची तो बेटी को फंदे पर लटका देख कोहराम मच गया। युवती की मां रानी ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि जिया शहर के पीली कोठी के पास स्थित जिम में ट्रेनर का काम करती थी। वहां का संचालक आकाश गुप्ता, ट्रेनर शानू, विशाल पुरवार व हिमांशु यादव उसे ब्लैकमेल कर मानसिक उत्पीड़न करते थे। हिमांशु यादव ने पुत्री को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया था। शनिवार को हिमांशु ने उसकी बेटी से बात की, इससे बाद उसकी बेटी ने वीडियो बनाते हुए फंदा लगा लिया, इससे उसकी मौत हो गई।

सपा सरकार आने पर झूठे केस किए जाएंगे खत्म: अखिलेश यादव

रामपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रामपुर पहुंचकर आजम खां के परिवार से मुलाकात की। उनके साथ रामपुर के सांसद मोहिब्बुल्लाह भी मौजूद रहे। अखिलेश और मोहिब्बुल्लाह ने आजम खां की पत्नी तजीन फात्मा से करीब आधे घंटे तक बातचीत की। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि सपा हमेशा से संविधान बचाने की लड़ाई लड़ती आई है और आगे भी लड़ती रहेगी। अखिलेश ने आजम खां और उनके परिवार के साथ हो रहे अन्याय का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आजम पर जो भी झूठे केस दर्ज किए गए हैं, सपा सरकार आने पर उन मामलों को खत्म किया जाएगा। उन्होंने न्यायालय से उम्मीद जताई कि आजम खां को जल्द ही इंसाफ मिलेगा। जब आजम खां पर दर्ज कई मामलों में सपा के रवैये पर सवाल किया गया, तो अखिलेश ने स्पष्ट किया कि सपा ने अपनी पूरी ताकत से लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि भगवान जानता है, सपा जानती है, कोर्ट जानता है कि हम लोगों ने कितनी मेहनत की है। हम लगातार लड़ाई लड़ रहे हैं।

महिला ने देवर के साथ मिलकर की पति की हत्या

एजेंसी । कानपुर

कानपुर में बीते अप्रैल महीने में हुई एक शख्स की हत्या के मामले में भाभी और देवर की भूमिका सामने आने के बाद अब इसमें नया खुलासा हुआ है। हत्या के आरोपी ने कहा कि उसकी भाभी ने अपने पति को नहीं मारा बल्कि उसने ही अपने भाई की हत्या की है।आरोपी ने कहा कि उसकी भाभी को प्रेत बाधा है इसलिए वो उसे लेकर बागेश्वर धाम गया था।

देवर-भाभी का प्रेम प्रसंग

कानपुर में एक ट्रक ड्राइवर की हत्या के मामले में देवर-भाभी का प्रेम प्रसंग सामने आने के बाद अब एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। महिला ने अपने देवर के साथ मिलकर पति को चाकू से गोदकर मौत के घाट उतार दिया था। अब हत्या के आरोपी मनोज ने कहा है कि उसकी भाभी पूनम को प्रेत बाधा है और भाई की हत्या में उसका कोई हाथ नहीं है।

भाभी ने अपने पति की हत्या नहीं की है: मनोज

मनोज ने कहा कि 'पूनम ने किसी को नहीं मारा। पता नहीं पुलिस क्यों लेकर आई है, वो भाभी हैं मेरी। मैंने मारा है भाई को। पहले भाई ने मुझे पीटा, फिर मैंने डंडे से मारा। इस केस को चार-पांच महीने हो गए। फिर हम बागेश्वर धाम भाग गए थे। भाभी को प्रेत बाधा है, इसलिए वहां लेकर गए थे। जबसे मुझे 11 हजार का करंट लगा है, तबसे मेरा दिमाग काम नहीं करता है।' एक तरफ जहां मनोज अपनी भाभी और प्रेमिका पूनम को बचाता नजर आया वहीं पूनम ने पति की हत्या में अपनी भूमिका को स्वीकार कर लिया है। पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल करते हुए पूनम ने बताया कि उसका मनोज के साथ प्रेम संबंध था और जब इस बात का पता उसके पति दिनेश को चला तो उसने दोनों को मारने की धमकी दी। इस डर से उसने मनोज के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी।

मेरी भाभी को प्रेत बाधा: मनोज

दरअसल कानपुर के खरेसा गांव के रहने वाले दिनेश अवस्थी की हत्या के मामले में पुलिस ने करीब 7 महीने बाद उसकी पत्नी पूनम उर्फ गुड़िया और मृतक के छोटे भाई मनोज अवस्थी को बागेश्वर धाम से पकड़ा है।दोनों आरोपियों के पकड़े जाने के बाद जब पुलिस ने उन्हें मीडिया के सामने पेश किया तो यहां भी मनोज अवस्थी अपनी भाभी पूनम उर्फ गुड़िया को बचाने की कोशिश की। भाई की हत्या को लेकर जब मनोज अवस्थी से सवाल पूछा गया तो उसने कहा कि उसकी भाभी पर प्रेत बाधा थी, जिसे लेकर वो बागेश्वर धाम गया था।

मनोज पर पहले से दर्ज हैं आपराधिक मामले

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि मनोज पर पहले से ही दो आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें एक 1997 और दूसरा 2011 का मामला है। यह दिनेश की हत्या से जुड़ा उसका तीसरा आपराधिक केस है। पुलिस ने दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी रखा था। बता दें कि हत्या की ये वारदात सात से आठ महीने पुरानी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम से गिरफ्तार किया है। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी ठिकाने बदल-बदलकर रह रहे थे। वो दिन में ढाबे पर काम करते और शाम को बागेश्वर धाम में सेवा करते थे। आरोपी महिला ने जैसे ही अपना मोबाइल ऑन किया, पुलिस को उसकी लोकेशन मिल गई और दोनों पकड़े गए।

कब और कैसे हुई थी दिनेश की हत्या

मृतक दिनेश की शादी 2 साल पहले पूनम अवस्थी उर्फ गुड़िया से हुई थी। दिनेश का भाई मनोज भी उसी के साथ रहता था। दिनेश ट्रक ड्राइवर था और वो काम के सिलसिले में ज्यादातर बाहर रहता था। इसी दौरान पूनम का अपने देवर मनोज से अफेयर हो गया था। 23 अप्रैल को दिनेश अचानक घर पहुंचा तो उसने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था जिसके बाद देवर-भाभी ने मिलकर उसकी हत्या कर दी थी और फरार हो गए थे।

मेरठ में नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न, मदरसा मैनेजर और मौलवी गिरफ्तार

एजेंसी । मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के जानी थाना क्षेत्र स्थित एक मदरसा में 14 वर्षीय छात्रा के साथ यौन शोषण की वारदात सामने आई है। इस मामले में पीड़िता के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक आरोपी मदरसा का मैनेजर, तो दूसरा मौलवी है।

जानी थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान 42 वर्षीय आदिल (टीचर) और 47 वर्षीय मकसूद (मैनेजर) के रूप में हुई है। दोनों को रविवार शाम जानी काल कट से गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि दोनों ने आठवीं कक्षा की एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया। पीड़ित लड़की के पिता ने पुलिस को बताया कि ये घटना 29 अक्टूबर को हुई थी।

इस घटना के दौरान जब छात्रा रोने लगी तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद छात्रा इतनी डर गई कि उसने मदरसे जाना ही बंद कर दिया। वो बहुत शांत रहने लगी और मदरसे में पढ़ने जाने से भी मना करने लगी। शनिवार को परिजनों ने जानी थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद रविवार शाम को दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

बताते चलें कि सितंबर में मेरठ में रिश्तों को

शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई थी। यहां नाबालिग बेटी के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में एक पिता को गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता की मां की मौत हो चुकी थी। उसका पिता बेरोजगार था। उसे शराब पीने की लत थी। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में धुत्त होकर आरोपी पिता अपनी ही बेटी का यौन उत्पीड़न किया करता था।

इसका विरोध करने पर उसके साथ मारपीट किया करता था। बच्ची की मां की काफी समय पहले मौत चुकी थी। उसके दो भाई और एक बहन है। उसकी बहन मामा के साथ रहती है। पीड़िता कक्षा तीन की पढ़ाई कर रही है। उसके मामा की तहरीर के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। पीड़िता का मेडिकल जांच भी कराया गया था।

UPPSC अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया का प्रतियोगी छात्र कर रहे विरोध

एजेंसी । प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हजारों की तादाद में UPPSC के सामने प्रतियोगी छात्र परीक्षा के नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। इनकी मांग है कि UPPCS और RO/ ARO के लिए परीक्षा एक ही पाली में हो। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग चौराहे पर बड़ी संख्या में छात्र इकट्ठे हुए हैं। यूपी पीसीएस प्री 2024, आरओ/ एआर (RO/ARO) और प्री 2023 को लेकर परीक्षा को लेकर प्रतियोगी छात्रों का विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं।

नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया है क्या

दरअसल, 2023 UPPCS, RO/ ARO परीक्षा का क्वेश्चन पेपर आउट हो गया था। जिस वजह से परीक्षा टल गई। ये परीक्षा अब आयोग एक बार फिर से आयोजित कराने जा रही है। दोबारा से पेपर आउट न हो इसके लिए आयोग ने एक फैसला लिया है। वो ये कि परीक्षा केंद्र अब निजी विद्यालयों को नहीं बनाया जाएगा। सिर्फ सरकारी विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। आयोग ने सरकारी विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाने का तो फैसला ले लिया लेकिन अब इसमें दिक्कत ये है कि परीक्षार्थियों की संख्या तकरीबन 5 लाख है। परीक्षा केंद्र की कमी को देखते हुए आयोग ने परीक्षा चार से पांच शिफ्ट में कराने का निर्णय लिया। आयोग की इस निर्णय पर प्रतियोगी छात्रों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

छात्रों का क्या कहना है

प्रतियोगी छात्र सुचित सिंह ने कहा कि हमारी मांग है परीक्षा एक ही पाली में कराई जाए। एक दिन में एक शिफ्ट में ही पीसीएस प्री 2024 और आर ओ और ए आर ओ प्री 2023 की परीक्षाएं कराई जाएं। क्योंकि कई शिफ्ट में एग्जाम आयोजित होगा तो पारदर्शिता नहीं रहेगी। साथ ही परीक्षा परिणाम हैरान कर देने वाले होंगे।

मांग पूरी न होने तक जारी रहेगा विरोध प्रदर्शन

प्रतियोगी छात्र हाथों में पोस्टर बैनर लेकर लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। प्रतियोगी छात्रों ने 2 दिन पहले ही लोक सेवा आयोग पर गांधी वादी तरीके से शांति पूर्ण विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि उनका यह विरोध प्रदर्शन अनिश्चितकालीन है।

फैसला वापस लेने की मांग

जब तक कि आयोग की ओर से उन्हें एक दिन और एक शिफ्ट में ही परीक्षा कराने का आश्वासन नहीं मिल जाता तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शन कर रहे छात्र आयोग से नार्मलॉइजेशन का फैसला वापस लेने की भी मांग कर रहे हैं।

पुलिस की तैनाती

वहीं प्रतियोगी छात्रों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है। आयोग के चारों तरफ बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस फोर्स लगाई गई है। पुलिस और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच हल्की फुल्की धक्का मुक्की भी दिखाई दी।

पुलिस प्रशासन की अपील

मौके पर मौजूद एडीसीपी सिटी अभिषेक भारती ने छात्रों से अपील की है कि धरना स्थल के लिए बनाए गए हैं। निर्धारित जगह पर जाकर लोग विरोध प्रदर्शन करें और अपना ज्ञापन सौंपें। प्रतियोगी छात्रों के विरोध प्रदर्शन के ऐलान के चलते पुलिस और प्रशासन अलर्ट है।

व्यापार जगत

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी स्थिर रुख के साथ बंद

एजेंसी । मुंबई

प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सपाट बंद हुए। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली जारी रहने, कंपनियों के निराशाजनक तिमाही नतीजों और कमजोर एशियाई बाजारों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सेंसेक्स 9.83 अंक या 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,496.15 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में इसने 80,102.14 अंक के ऊपरी और 79,001.34 अंक के निचले स्तर को छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 6.90 अंक या 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 24,141.30

अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे अधिक आठ प्रतिशत की गिरावट एशियन पेंट्स में हुई। इसके अलावा टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी नुकसान में बंद हुए। दूसरी ओर पावर ग्रिड, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 3,404.04 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा कि भारतीय बाजार दबाव में हैं, जिसका मुख्य कारण विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'बाजार की मौजूदा चाल पर एफआईआई की गतिविधियां हावी हैं। इसे कमजोर नतीजों और अमेरिका में सत्ता में आने वाली डोनाल्ड ट्रंप सरकार की संभावित नीतियों से भी समर्थन मिल रहा है।'नायर ने कहा कि निवेशकों को भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति (सीपीआई) के आंकड़ों का इंतजार है, क्योंकि ऐसा लग रहा है कि खाद्य कीमतें मासिक आधार पर अधिक रहेंगी। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक को अल्पावधि में ब्याज दरों में यथास्थिति बनाए रखने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 1.14 प्रतिशत और मिडकैप में 0.79 प्रतिशत की गिरावट आई। क्षेत्रवार बात करें तो जिंस में 1.25 प्रतिशत, धातु में 0.97 प्रतिशत, एफएमसीजी में 0.90 प्रतिशत, तेल और गैस में 0.79 प्रतिशत और वाहन में 0.67 प्रतिशत की गिरावट आई। दूसरी ओर वित्तीय सेवाएं, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बैंक, बिजली और प्रौद्योगिकी शेयर लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हेंगसेंग गिरकर बंद हुए, जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत गिरकर 73.26 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

रुपये में लगातार चौथे दिन गिरावट, दो पैसे टूटकर 84.39 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

एजेंसी । मुंबई

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और यह दो पैसे और टूटकर नए सर्वकालिक निचले स्तर 84.39 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी कोषों की सतत निकासी और घरेलू शेयर बाजार में नरमी के रुख के कारण रुपये की धारणा प्रभावित हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि जब तक डॉलर सूचकांक में नरमी नहीं आती या विदेशी कोषों की निकासी में कमी नहीं आती, तब तक रुपया दबाव में रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.38 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 84.37 के उच्चस्तर और 84.39 के निचले स्तर के बीच रहने के बाद अंत में दो पैसे की गिरावट के साथ 84.39 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की गिरावट के साथ 84.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया पिछले चार कारोबारी सत्रों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 30 पैसे टूट चुका है। सोमवार को डॉलर-रुपये की जोड़ी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप के विकास एजेंडा के प्रति आशावाद के कारण अमेरिकी डॉलर सूचकांक मजबूत हुआ। अक्टूबर में 11 अरब डॉलर की निकासी के बाद विदेशी निवेशकों ने नवंबर में भारतीय शेयरों से लगभग 1.50 अरब डॉलर की निकासी की है। शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के एसोसिएट उपाध्यक्ष (बुनियादी मुद्रा एवं जिंस) प्रवीण सिंह ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिल सकता है। इसके अलावा, व्यापारियों को इस सप्ताह जारी होने वाले भारत और अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतजार है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में घरेलू मुद्रा में नरमी का रुख रहने की संभावना है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 105.30 पर कारोबार कर रहा था।

सनकाइंड को महाराष्ट्र सरकार से 570 मेगावाट की सौर परियोजना का ठेका

एजेंसी । नई दिल्ली

सनकाइंड ने महाराष्ट्र सरकार से 570 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना का ठेका हासिल किया है। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि यह ठेका महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) द्वारा मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना (एमएसकेवीवाई 2.0) के तहत दिया गया है। इसमें कहा गया, 'महाजेनको की 569 मेगावाट ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण) परियोजना महाराष्ट्र के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को एक कदम आगे की ओर ले जाती है।'' सनकाइंड के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हनीश गुप्ता ने कहा, 'यह परियोजना नासिक क्षेत्र में कृषि बिजली वितरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगी और भविष्य की अक्षय ऊर्जा पहल के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगी। यह भरोसेमंद बिजली आपूर्ति के जरिये कृषि उत्पादकता को बढ़ाएगी।''कंपनी ने हालांकि इस ठेके के मूल्य का खुलासा नहीं किया है।

नॉर्टन मोटरसाइकिल्स ने शीर्ष नेतृत्व में किया फेरबदल

एजेंसी । नई दिल्ली

टीवीएस मोटर की इकाई ब्रिटिश बाइक विनिर्माता नॉर्टन मोटरसाइकिल्स ने अपने शीर्ष नेतृत्व में सोमवार को बदलाव किया। इसके साथ ही अब कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रॉबर्ट हेंटशेल तत्काल अपने पद से हट जाएंगे और गैर-कार्यकारी निदेशक की

भूमिका में आ जाएंगे। कंपनी ने बयान में कहा, नेविजो मेंस कार्यकारी निदेशक के रूप में शामिल होंगे और सभी 'अपस्ट्रीम' कारोबारी परिचालन की देखरेख करेंगे। मेंस उत्पाद डिजाइन, विकास व इंजीनियरिंग, विनिर्माण, खरीद, गुणवत्ता नियंत्रण और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का नेतृत्व करेंगे। रिचर्ड अर्नोल्ड विपणन, ब्रांड प्रबंधन, बिक्री, वितरण, ग्राहक संबंध प्रबंधन, बिक्री बाद सेवा, उत्पाद प्रबंधन और जनसंपर्क सहित डाउनस्ट्रीम कारोबारी गतिविधियों का प्रबंधन करेंगे।

गोयल ने कहा, 2,000 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को सामूहिक प्रयासों की जरूरत

एजेंसी । नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि 2030 तक 2,000 अरब डॉलर के 'बड़े' निर्यात लक्ष्य को हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह लक्ष्य हासिल करने का भरोसा जताया। गोयल ने कहा, 'आइए, हम 2030 तक 2,000 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए साझेदारी करें, बशर्ते कि हम चालू वित्त वर्ष में 800 अरब डॉलर को पार कर जाएं। हमें 2,000 अरब डॉलर का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सामूहिक रूप से बहुत प्रयास करने होंगे। यह संयोग से नहीं होगा, यह पसंद से होगा और मुझे विश्वास है कि हम इस बड़े लक्ष्य को प्राप्त

दो बजे दोपहर
मुंबई, मंगलवार, 12 नवंबर 2024

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराया

एजेंसी | बारबाडोस

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद जोस बटलर (83) और विल जैक्स (38) की बेहतरीन बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। रविवार रात खेले गए मैच में इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

विंडीज की खराब शुरुआत

टॉस जीत इंग्लैंड ने गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 35 के स्कोर पर तीन विकेट गवां दिए। ब्रैंडन किंग (एक), एविन लुइस (8) और रॉस्टन चेज (13) रन पर आउट हुए। 11वें ओवर में लियाम लिविंगस्टन ने निकोलस पूरन (14) को सॉल्ट के हाथों स्टंप कराकर लौटाया। शरफन रदरफोर्ड (एक) गुडाकेश मोती (नौ) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रोवमन पॉवेल ने 41 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों से (43) रन की पारी खेली। रोमारियो शेफर्ड ने 12 गेंदों में (22) रन बनाये। मैथ्यू फोर्ड (13) और टेरिंस हाइंड्स (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे।

शतकीय साझेदारी से संभाला

159 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर में फिल सॉल्ट (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने विल जैक्स के साथ पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट लिए 128 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में रोमारियो शेफर्ड ने विल जैक्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। विल जैक्स ने 29 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के से (38) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में शेफर्ड ने बटलर को भी लौटाया। बटलर ने 45 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के लगाते हुए (83) रन बनाए। लिविंगस्टन (23) और जैकब बेथेल (तीन) नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 14.5 ओवर में तीन विकेट पर 161 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। बटलर को प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

घरेलू क्रिकेट में खेलने से मदद मिली : चक्रवर्ती

एजेंसी | गक्बेरहा

भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में खेलने और मुख्य कोच गौतम गंभीर की भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी करने में मदद मिली। इस 33 वर्ष के इस स्पिनर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 17 रन देकर पांच विकेट लिए जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत हालांकि यह मैच तीन विकेट से हार गया था। चक्रवर्ती ने मैच के बाद कहा, पिछले तीन साल के बीच मैंने अधिक क्रिकेट खेली। मैंने घरेलू लीग में भी खेलना शुरू किया और इससे अपना खेल समझने में मदद मिली। राष्ट्रीय टीम में वापसी के संदर्भ में चक्रवर्ती ने कहा, उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 30-40 रन भी लुटा देता हूं तो कोई बात नहीं। आपको केवल विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करना है और टीम में आपकी भूमिका यही है।

सिंधु और लक्ष्य फॉर्म हासिल करने की कोशिश करेंगे

- नए कोच अनूप श्रीधर के साथ सिंधु को बेहतर की उम्मीद
- लक्ष्य पहले दौर में मलेशिया के लियोंग जून हाओ से भिड़ेंगे

एजेंसी | कुमामोतो (जापान)

खराब फॉर्म से गुजर रहे भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू हो रहे कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करते हुए फॉर्म में लौटने का प्रयास करेंगे।

संघर्ष कर रहे

इन दोनों खिलाड़ियों को पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सिंधु डेनमार्क ओपन सुपर 750 में क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं लेकिन लक्ष्य सेन आर्कटिक ओपन सुपर 500 और डेनमार्क ओपन दोनों में शुरुआती दौर में हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। इन असफलताओं के बावजूद सिंधु को विश्वास है कि अपने नए कोच अनूप श्रीधर और कोरिया के दिग्गज ली स्युन इल के साथ मिलकर काम करने से वह बेहतर परिणाम हासिल करेंगी।

बुसानन से पहला मैच

जापान ओपन के पहले दौर में सिंधु का मुकाबला आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से होगा। दूसरी ओर लक्ष्य सेन अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के लियोंग जून हाओ के खिलाफ करेंगे। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका अगला मुकाबला आठवीं वरीयता प्राप्तइंडोनेशिया के एंथोनी गिंटिंग से हो सकता है। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी भी इस टूर्नामेंट में अपनी चुनौती देश करेगी। पहले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे की सू यिनहुई और लिन झिह युन से होगा।

अबु धाबी में शुभंकर 32वें स्थान पर, वारिंग चैंपियन

एजेंसी | अबु धाबी

भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अंतिम दौर में सात अंडर-65 का टूर्नामेंट का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अबु धाबी चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर रहे। शुरुआती दो दौर में 71 और 73 के स्कोर के बाद शुभंकर ने अंतिम दो दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 66 और 65 का स्कोर बनाया। शुभंकर ने अंतिम दौर में सात बर्डी, एक ईगल और दो बोगी से सात अंडर का स्कोर बनाया। इंग्लैंड के पॉल वारिंग ने अंतिम दौर में बोगी रहित 66 के स्कोर से कुल 24 अंडर पार के स्कोर से अपना पहला रोलेक्स सीरीज खिताब जीता। वारिंग ने चार बार के विजेता टाइरेल हेटन को दो शॉट से पछाड़ा। हेटन से एक शॉट पीछे रॉरी मैक्लरॉय, मैट वॉलेस और डेन थोरबोर्न ओलेस संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

मांजरेकर ने गंभीर को मीडिया से दूर रखने का सुझाव दिया

एजेंसी | नई दिल्ली

गौतम गंभीर पर अप्रत्याशित रूप से तीखा हमला बोलते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने सोमवार को कहा कि भारतीय मुख्य कोच के पास प्रेस से बातचीत करते समय 'सही आचरण और शब्दों का अभाव' है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से उन्हें मीडिया से बात करने की जिम्मेदारियों से दूर रखने का आग्रह किया। मांजरेकर की यह टिप्पणी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए प्रस्थान से पूर्व गंभीर की प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ घंटों बाद आई है।

कई मुद्दों पर बोले

अपनी बेबाकी के लिए पहचाने जाने वाले गंभीर ने बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा के रन बनाने के लिए संघर्ष करने, कोहली की फॉर्म पर रिकी पोंटिंग की टिप्पणी, भारतीय टीम में बदलाव के दौर और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम संयोजन पर सवालों के जवाब दिए। मांजरेकर ने 'एक्स पर लिखा, बीसीसीआई के लिए उन्हें इस तरह की जिम्मेदारियों से दूर रखना समझदारी होगी, उन्हें पर्दे के पीछे से काम करने देना चाहिए।

अगरकर-रोहित बेहतर

मांजरेकर ने सुझाव दिया कि कप्तान रोहित शर्मा और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर मीडिया से संभालने के लिए बेहतर होंगे। उन्होंने कहा, उनके (गंभीर) पास बातचीत करते समय न तो सही व्यवहार है और न ही सही शब्द। रोहित और अगरकर मीडिया के सामने आने के लिए बेहतर लोग हैं। हालांकि मांजरेकर ने अपने ट्वीट में यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें गंभीर की प्रेस कॉन्फ्रेंस का कौन सा हिस्सा आपत्तिजनक लगा।

रमेशभाई को रजत, ऐश्वर्य-सामरा लक्ष्य भटके

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के शीर्ष राइफल निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और सिफत कौर सामरा प्रभाव छोड़ने में विफल रहे, जबकि एस. रमेशभाई मोरडिया ने सोमवार को विश्व विश्वविद्यालय निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में रजत पदक जीता। भारत ने इस प्रतियोगिता में अब तक एक स्वर्ण सहित नौ पदक जीते है। चैंपियनशिप में 23 देशों के 220 निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं।

इकलौते भारतीय

रमेशभाई दिन के पदक जीतने वाले इकलौते भारतीय रहे। ओलंपियन तोमर पांचवें स्थान पर रहे जबकि पेरिस खेलों में भाग लेने वाली सामरा महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। गुजरात के रमेशभाई मामूली अंतर से स्वर्ण चूक गए। वह फाइनल में 252.1 अंक हासिल कर चेक गणराज्य के जिरी प्रिवारत्स्की से केवल 0.1 अंक पीछे रहे। यह प्रिवारत्स्की का इस प्रतियोगिता में दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने रविवार को पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन में स्वर्ण अपने नाम किया था। ऐश्वर्य 187.7 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे जबकि उमामहेश मदिनेनी (208.8) चौथे स्थान पर रहे। सामरा का पदक से चूकना बड़ी निराशा रही। वह 50 मीटर राइफल में देश की सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों में शामिल है। वह 439.6 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं। फ्रांस की अगाथे गिराई (462.3) ने इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जबकि पोलैंड की जूलिया पियोट्रोस्का (462.0) और अन्ना जानसेन (450.2) ने क्रमशः रजत और कांस्य जीता।

'पुष्पाः द रूल' से अल्लू अर्जुन की नई झलक जारी

पिछले लंबे समय से दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म 'पुष्पा: द रूल' को लेकर चर्चा में हैं। यह 2021 में आई फिल्म 'पुष्पा: द राइज' का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ था। 'पुष्पा: द रूल' 5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अब 'पुष्पा: द रूल' से अल्लू की नई झलक सामने आ चुकी है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है।

पटना में एक कार्यक्रम में लॉन्च होगा ट्रेलर

'पुष्पाः द रूल' का ट्रेलर 17 नवंबर, 2024 को शाम 6:03 बजे रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। इस फिल्म अल्लू की जोड़ी एक बार फिर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। 'पुष्पा: द रूल' हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ के साथ बंगाली भाषा में भी रिलीज होगी। यह पहली पैन-इंडिया फिल्म है, जो बंगाली भाषा में रिलीज होने वाली है।

विक्रांत मैसी ने भारत की स्वतंत्रता को बताया 'सो कोल्ड आजादी'

विक्रांत मैसी इन दिनों फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म आगामी 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आजकल विक्रांत फिल्म के प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं। अब विक्रांत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह भारत को साल 1947 में मिली स्वतंत्रता को 'सो कोल्ड आजादी' बताते हुए नजर आ रहे हैं। अपने इस बयान को लेकर विक्रांत काफी ट्रोल हो रहे हैं।

विक्रांत मैसी ने कही ये बात

विक्रांत ने कहा, 'हमें यह समझने की जरूरत है कि हम एक बहुत ही युवा राष्ट्र हैं। हम पर फ्रांसिस, डच, मुगलों और अंत में अंग्रेजों ने आक्रमण किया और शासन किया। सैकड़ों-हजारों वर्षों के उत्पीड़न के बाद हमें आखिरकार सो कोल्ड स्वतंत्रता मिली, लेकिन क्या वह वास्तव में स्वतंत्रता थी? हिंदू अपनी पहचान की मांग कर रहे हैं।' बता दें कि विक्रांत से पहले कंगना रनौत ने 1947 को मिली भारत की आजादी को 'भीख' बताया था।

'सिकंदर का मुकद्दर' का ट्रेलर जारी

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ जिमी शेरगिल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अविनाश तिवारी भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। अजय देवगन और तब्बू की फिल्म 'औरों में कहां दम था' का निर्देशन कर चुके नीरज पांडे ने 'सिकंदर का मुकद्दर' के निर्देशन की कमान संभाली है। अब निर्माताओं ने 'सिकंदर का मुकद्दर' का ट्रेलर जारी कर दिया है।

इस दिन नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म

'सिकंदर का मुकद्दर' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को आप 29 नवंबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने ट्रेलर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'कौन है मासूम, कौन है मुजरिम, और कौन है सबसे शातिर?' राजीव मेहता, दिव्या दत्ता और जोया अफरोज जैसे कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

IFFI में दिखाई जाएगी राधिका आप्टे की 'साली मोहब्बत'

पिछले लंबे समय से अभिनेत्री राधिका आप्टे अपनी आगामी फिल्म 'साली मोहब्बत' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए टिस्का चोपड़ा हिंदी सिनेमा में बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के प्रोडक्शन में बनी यह पहली फिल्म है। अब खबर आ रही है 'साली मोहब्बत' का वर्ल्ड प्रीमियर 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) गोवा में होने वाला है। यह फिल्म 22 नवंबर, 2024 को इस फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाएगी। IFFI में 'साली मोहब्बत' के प्रीमियर को लेकर राधिका काफी उत्साहित हैं। वह इस समारोह में मौजूद रहेंगी। इस फिल्म में दिव्येंदु, अंशुमान पुष्कर, सौरसेनी मैत्रा, शरत सक्सेना और अनुराग कश्यप जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया है। यह फिल्म एक मर्डर मिस्ट्री है, जिसकी कहानी बेवफाई, धोखे और प्यार पर आधारित है। बता दें कि राधिका मौजूदा वक्त में अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। दरअसल, वह जल्द मां बनने वाली हैं।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में हुई सिद्धू की एंट्री

कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। इस शो के बीते एपिसोड में नारायण मूर्ति, सुधा मूर्ति, दीपिंदर गोयल और जिया गोयल जैसे बिजनेस आइकॉन नजर आए थे। अब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2' का नया प्रोमो सामने आ चुका है, जिसमें 'द कपिल शर्मा शो' के पूर्व जज नवजोत सिंह सिद्धू जज की कुर्सी पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं।

कुर्सी पर बैठे नजर आए सिद्धू

लगभग 5 साल बाद 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में सिद्धू की एंट्री हो चुकी है। नए प्रोमो वीडियो में वह जज की कुर्सी पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, 5 साल पहले सिद्धू ने यह शो छोड़ दिया था, जिसके बाद अर्चना ने उनकी जगह ली। सिद्धू के आने के बाद अब अर्चना की कुर्सी छिन सकती है। सिद्धू के साथ इस एपिसोड में क्रिकेटर हरभजन सिंह भी अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ नजर आएंगे।

'मिसेज' ने हासिल की एक और उपलब्धि

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा पिछले कुछ समय से अपनी आने वाली फिल्म 'मिसेज' को लेकर खबरों का हिस्सा बनी हुई हैं। यह मलयालम फिल्म 'द ग्रेट इंडियन किचन' (2021) की रीमेक है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। 'मिसेज' का प्रीमियर अब तक पाम स्प्रिंग्स अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल, हवाई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, इंडियन फिल्म फेस्टिवल मेलबर्न और टालिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल में हो चुका है। अब इस फिल्म ने एक और उपलब्धि हासिल की है।

कब दिखाई जाएगी फिल्म

'मिसेज' का वर्ल्ड प्रीमियर 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) में होने जा रहा है। इस महोत्सव में 22 नवंबर को यह फिल्म दिखाई जाएगी। सान्या ने खुशी जताते हुए कहा, 'मैं आभारी हूं और IFFI में इसके प्रदर्शन और दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।' 'मिसेज' का निर्देशन आरती कडव ने किया है। पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और ज्योतिदेश पांडे इसके निर्माता हैं। इसमें निशांत दहिया और कंवलजीत सिंह जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

6 हिस्सों में बंटे महाराष्ट्र की सियासी तस्वीर का विश्लेषण

केके उपाध्याय (वरिष्ठ पत्रकार)
हिंदुस्तान, अमर उजाला, स्वदेश व दैनिक भास्कर के संपादक रहे, वर्तमान में जनता टीवी के मुख्य संपादक हैं। महाराष्ट्र भाजपा में मीडिया चुनाव प्रभारी हैं।

वर्चस्व की जंग में महायुति का बोलबाला

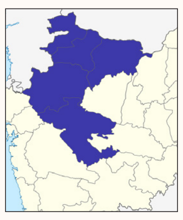

भाजपा का मजबूत गढ़ है उत्तरी महाराष्ट्र

कुल सीटें – 35

उत्तर महाराष्ट्र में 35 विधानसभा सीटों का क्षेत्र कभी कांग्रेस का मजबूत गढ़ था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बीजेपी और शिवसेना ने यहां अपने प्रभाव को बढ़ाया है। इस क्षेत्र में बीजेपी की उभरती ताकत में आरएसएस के व्यापक नेटवर्क की अहम भूमिका रही है। बीजेपी ने ओबीसी वोटबैंक के सहारे यहां पकड़ बनाई, जिसमें गोपीनाथ मुंडे और एकनाथ खडसे जैसे प्रभावशाली ओबीसी नेता शामिल थे। माली, धनगर, और वंजारी समुदायों के 'माधव समीकरण' के साथ बीजेपी ने इस क्षेत्र में अपने प्रभाव को स्थापित किया था।

- हालांकि, 2014 में गोपीनाथ मुंडे की असामयिक मृत्यु और 2019 में एकनाथ खडसे का टिकट काटे जाने से इस समीकरण को झटका लगा। बाद में खडसे पार्टी छोड़कर एनसीपी में शामिल हो गए, जिससे बीजेपी का ओबीसी वोटबैंक कमजोर होने लगा।
- गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे भी विधानसभा चुनाव हारने के बाद पार्टी नेतृत्व से नाराज रहीं, जिससे बीजेपी के पारंपरिक ओबीसी वोट में खटास देखी गई। हालांकि, बीजेपी ने पंकजा को एमएलसी बनाकर स्थिति सुधारने का प्रयास किया, लेकिन ओबीसी वोटों को लेकर अब भी पार्टी के सामने चुनौतियां बनी हुई हैं।
- किसानों की नाराजगी भी इस क्षेत्र में बीजेपी के लिए एक बड़ा मुद्दा रही है, विशेषकर नाशिक के लासलगांव क्षेत्र में, जो देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी है और उचित मूल्य न मिलने पर नाराजगी रखता है। बीजेपी को ग्रामीण वोटों में गिरावट का भी सामना करना पड़ा है, जो 2010 में 39.5% था और हालिया चुनावों में घटकर 35% रह गया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर महाराष्ट्र में बीजेपी की स्थिति को मजबूत करने के लिए सक्रिय हो गए हैं और क्षेत्र में चुनावी अभियान को तेज कर दिया है। बीजेपी अब इस क्षेत्र में अपने पारंपरिक मतदाताओं को पुनः संगठित करने और सत्ता विरोधी लहर को कम करने के प्रयास में है, जो आगामी चुनावों में निर्णायक साबित हो सकता है।

सत्ता का द्वार बनेगा 'विदर्भ'

कुल सीटें – 62

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विदर्भ क्षेत्र एक निर्णायक भूमिका निभा रहा है, जहां 62 सीटों पर विभिन्न दलों के बीच कड़ी टक्कर देखी जा रही है। यहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच है, जिसमें 35 सीटों पर दोनों के बीच सीधा संघर्ष है। इसके अलावा, कुछ सीटों पर शिवसेना (शिंदे गुट) और शिवसेना (यूबीटी) के बीच और कुछ पर एनसीपी (अजीत पवार गुट) और एनसीपी (शरद पवार गुट) के बीच भी मुकाबला देखने को मिल रहा है।

फडणवीस और नाना पटोले भी मैदान में

विदर्भ के इस चुनावी रण में कई प्रमुख नेता, जैसे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले भी शामिल हैं, जिनकी सफलता या असफलता विदर्भ के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विदर्भ में पार्टी का प्रदर्शन महाराष्ट्र की सत्ता की चाबी बन सकता है।

कुनबी और तेली समुदाय का दबदबा

इस क्षेत्र के प्रमुख समुदायों में कुनबी और तेली समुदाय शामिल हैं, जो कांग्रेस और बीजेपी के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। कांग्रेस अपने परंपरागत डीएमके (दलित-मुस्लिम-कुनबी) फार्मूले पर काम कर रही है, जबकि बीजेपी ओबीसी, माइक्रो ओबीसी और बंजारा समुदायों के समर्थन पर जोर दे रही है। बीजेपी का दावा है कि उनके प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को टिकट मिलने से तेली समाज में उनके प्रति समर्थन बढ़ा है, जिसका चुनाव में लाभ मिल सकता है।

2014 में भाजपा को मिला था बंपर समर्थन

राजनीतिक दृष्टिकोण से विदर्भ का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि 2014 में बीजेपी ने यहां से 62 में से 41 सीटें जीती थीं, जिससे उसे पहली बार महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद मिला और नागपुर के देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने। हालांकि, 2019 में बीजेपी की सीटें घटकर 29 रह गईं, जिससे उसे सत्ता से हाथ धोना पड़ा। इस बार संघ भी अपने शताब्दी वर्ष में पूरी सक्रियता से बूथ स्तर पर बीजेपी को समर्थन दे रहा है, जिससे बीजेपी के चुनावी संगठन को मजबूती मिल रही है।

दरक रही है पश्चिम महाराष्ट्र की दीवार

कुल सीटें – 70

पश्चिम महाराष्ट्र, जो सोलापुर से कोल्हापुर तक फैला हुआ है, मराठा बहुल क्षेत्र होने के कारण राजनीति में एक विशेष महत्त्व रखता है। इस क्षेत्र की 70 सीटों में एनसीपी का प्रभाव सांगली, सतारा और पुणे जिलों में अधिक दिखाई देता है। वर्तमान चुनावी रुझानों के अनुसार, बीजेपी को 17 सीटों पर, शिवसेना को 11, एनसीपी को 2, कांग्रेस को 10, एनसीपी (शरद पवार) को 19, शिवसेना (यूबीटी) को 6 और अन्य को 5 सीटों पर बढ़त हासिल है। इस क्षेत्र में मुख्य मुकाबला शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के गुटों के बीच देखा जा रहा है, जबकि कई सीटों पर कांग्रेस और भाजपा, तथा शिवसेना और शिवसेना (यूबीटी) आमने-सामने हैं।

एनसीपी और कांग्रेस के गढ़ में भाजपा ने बनाई पैठ

पश्चिम महाराष्ट्र, खासकर पुणे, सातारा, सांगली, और कोल्हापुर, कांग्रेस का पुराना गढ़ रहा है। स्वतंत्र भारत में सहकारिता आंदोलन की नींव रखने और उसे सुदृढ़ करने का श्रेय भी इस क्षेत्र को जाता है। वसंत दादा पाटिल, यशवंतराव चव्हाण, विठ्ठलराव विखे पाटिल और शरद पवार जैसे दिग्गज नेताओं का संबंध इसी क्षेत्र से रहा है, जिनकी राजनीति पर मजबूत पकड़ रही है। 1999 में शरद पवार के कांग्रेस से अलग होकर एनसीपी बनाने के बाद, इस क्षेत्र में उनका प्रभाव और अधिक हो गया। 2009 तक कांग्रेस और एनसीपी का यहाँ वर्चस्व था, लेकिन भाजपा ने धीरे-धीरे अपनी पकड़ बनानी शुरू की और 2019 के चुनाव में उसे 20 सीटें हासिल हुईं, जबकि कांग्रेस-एनसीपी ने मिलकर 39 सीटें जीती थीं। हाल के वर्षों में अजीत पवार के शरद पवार से बगावत करने के बाद इस क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं, जिससे चुनावी मुकाबला अधिक प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है।

ठाणे-कोंकण में महायुति का दबदबा

कुल सीटें – 39

जिले – ठाणे, मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग

ठाणे-कोंकण में 39 सीटें हैं। यहां बीजेपी को 11, शिवसेना को 12, एनसीपी को 4, कांग्रेस को शून्य, एनसीपी (शरद पवार) को 2, शिवसेना (यूबीटी) को 9 और अन्य को एक सीट पर बढ़त मिली हुई है। कोंकण, जिसे कभी समाजवादियों और वामदलों का गढ़ माना जाता था, अब पिछले चार दशकों में शिवसेना के प्रभाव का क्षेत्र बन गया है। बालासाहेब ठाकरे के नेतृत्व के बाद से, शिवसेना ने कोंकण में अपनी जड़ें मजबूत कीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में शिवसेना ने मुंबई में कांग्रेस के मुस्लिम वोट बैंक का सहारा लेकर अपनी पकड़ बनाए रखी, लेकिन कोंकण की महत्वपूर्ण सीटों जैसे रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, रायगढ़, ठाणे, और पालघर को गंवाना पड़ा। इस क्षेत्र ने महाराष्ट्र को पांच मुख्यमंत्री दिए हैं: अब्दुल रहमान अंतुले, डॉ. मनोहर जोशी, नारायण राणे, उद्धव ठाकरे, और एकनाथ शिंदे। 2019 में, शिवसेना और भाजपा के गठबंधन ने कोंकण क्षेत्र की 75 में से 56 सीटें जीती थीं।

'ब्रांड राणे' बनाम उद्धव की शिवसेना

2024 के विधानसभा चुनाव में, शिवसेना के दो भागों में बंटने के बाद कोंकण में नारायण राणे के परिवार का दबदबा शिवसेना (यूबीटी) को चुनौती दे रहा है। भाजपा के सांसद और कभी शिवसेना के मुख्यमंत्री रहे नारायण राणे के छोटे बेटे नीतेश राणे को भाजपा ने कडकवली से टिकट दिया है, जबकि बड़े बेटे नीलेश ने शिवसेना (शिंदे) से टिकट पाकर कुडाल से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। सिंधुदुर्ग-रत्नागिरी की अन्य सीटों पर शिवसेना (शिंदे) के वरिष्ठ नेताओं जैसे उदय सामंत और दीपक केसर का मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) से होगा, और राणे का समर्थन इन नेताओं को भी मिलेगा। ऐसे में यह गणित शिवसेना (यूबीटी) के लिए अनुकूल नहीं दिख रहा।

ठाणे और पालघर: कांटे की टक्कर

ठाणे में लोकसभा की तीन में से दो सीटें शिंदे के नेतृत्व में जीती गई थीं। हालांकि, हाल ही में नवी मुंबई में भाजपा को थोड़ा झटका लगा है, जहां भाजपा के पूर्व अध्यक्ष संदीप नाईक ने पार्टी छोड़कर एनसीपी (शरद पवार गुट) का दामन थामा है और भाजपा की वर्तमान विधायक मंदा म्हात्रे के खिलाफ टिकट हासिल कर लिया है। ठाणे और पालघर की 24 विधानसभा सीटों पर महायुति और मविआ के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है, जहां कई सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) और शिवसेना (शिंदे) आमने-सामने होंगे। इस राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में, कोंकण में शिवसेना (यूबीटी) के लिए राह आसान नहीं दिखाई देती, क्योंकि महायुति के सहयोग से शिवसेना (शिंदे) ने अपना जनाधार मजबूत कर लिया है।

मराठवाड़ा इलाके में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

कुल सीटें – 46

जिले – औरंगाबाद, जालना, बीड, परभणी, लातूर, नांदेड़, उस्मानाबाद और हिंगोली.

मराठवाड़ा क्षेत्र, जिसमें छत्रपति संभाजीनगर, बीड, हिंगोली, जालना, लातूर, नांदेड़, उस्मानाबाद, और परभणी जिले आते हैं, आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में एक प्रमुख चुनावी रणभूमि बना हुआ है। इस क्षेत्र में 46 सीटों पर चुनाव होने वाले हैं, और बीजेपी इन 46 में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, जो महायुति के सहयोगियों में सबसे अधिक है। महायुति (BJP, शिंदे सेना, और अजित पवार की NCP) और महाविकास अघाड़ी (MVA) (उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, और शरद पवार की NCP) के बीच यहां कड़ी टक्कर है। मराठा आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे की सक्रियता इस क्षेत्र में चुनावी समीकरण को और दिलचस्प बना रही थी। जरांगे के समर्थन से मराठा, दलित, और मुस्लिम वोटों में विभाजन होने की संभावना थी, जिसका फायदा महाविकास अघाड़ी को मिल सकता था। हालांकि, अब यह संभव नहीं दिख रहा है, और यह स्थिति महायुति को लाभ पहुंचा सकती है।

बीजेपी को उम्मीद

मराठवाड़ा में 46 सीटें हैं. यहां बीजेपी को 8, शिवसेना को 4, कांग्रेस को 14, एनसीपी (शरद पवार) को 3, शिवसेना (यूबीटी) को 15 और अन्य को 2 सीटों पर बढ़त हासिल है. इस बार अमित शाह ने मराठवाड़ा की 48 सीटों में से 30 पर जीत हासिल करने का टारगेट रखा है. मालूम हो कि बीजेपी ने हाल ही में ब्राह्मण और राजपूत समुदाय के आर्थिक विकास के लिए दो नए निगम स्थापित कर उच्च जातियों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है। इसके अलावा, मराठवाड़ा के धनगर समुदाय में प्रसिद्ध अहिल्यादेवी होल्कर के नाम पर अहमदनगर का नाम बदलकर 'अहिल्यानगर' कर दिया गया है, जिससे धनगर समुदाय में बीजेपी की स्थिति और मजबूत हो सकती है।

शाह ने मराठवाड़ा को साधने की स्ट्रैटेजी बनाई

अमित शाह ने हाल ही में मराठवाड़ा में बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने 48 में से 30 सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जोश से नहीं, बल्कि रणनीति और समझदारी से चुनाव लड़ने का निर्देश दिया। अमित शाह ने यह भी कहा कि मराठा आंदोलन का समाधान राज्य सरकार और देवेंद्र फडणवीस देखेंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को तुरंत चुनावी मिशन में जुट जाने का आह्वान किया। अमित शाह के नेतृत्व में बीजेपी मराठवाड़ा क्षेत्र में आक्रामक रणनीति अपनाकर आगामी विधानसभा चुनावों में निर्णायक सफलता हासिल करने का प्रयास कर रही है।

मुंबई में बीजेपी को बड़ी जीत की उम्मीद

कुल सीटें – 36

मुंबई रीजन में 36 विधानसभा सीटें हैं। यहां बीजेपी को 9, शिवसेना को 7, एनसीपी को शून्य, कांग्रेस को 5, एनसीपी (शरद पवार) को शून्य और शिवसेना (यूबीटी) को 15 सीटों पर बढ़त हासिल है।

420 से अधिक उम्मीदवार मैदान में

मुंबई की कुल 36 विधानसभा सीटों पर 420 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं. सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास अघाड़ी दोनों देश की आर्थिक राजधानी में वर्चस्व की लड़ाई में हैं. दो प्रमुख क्षेत्रीय दलों, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) में विभाजन के बाद, हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के बाद मुंबई में अपनी ताकत का आकलन करने के लिए महायुति और महा विकास अघाड़ी (MVA) गठबंधन के बीच यह पहला आमना-सामना होगा।

बीजेपी-शिवसेना ने 2019 में मुंबई की 36 में से 30 सीटें जीती थीं

2019 के विधानसभा चुनावों में अविभाजित शिवसेना और बीजेपी ने मुंबई में अपनी मजबूत पकड़ साबित की थी, जहां बीजेपी ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और 16 सीटें जीतीं, जबकि शिवसेना ने 19 सीटों में से 14 पर जीत दर्ज की। कांग्रेस उस चुनाव में केवल चार सीटें ही जीत पाई थी, और एनसीपी ने छह सीटों पर मुकाबला किया, जिनमें से केवल एक सीट जीत सकी। 2024 के विधानसभा चुनाव में, महायुति में शामिल बीजेपी ने 18 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है, जबकि 16 सीटें शिवसेना (शिंदे गुट) और 2 सीटें एनसीपी (अजित पवार गुट) के लिए छोड़ी गई हैं। इस बार गठबंधन के सहयोगियों की बढ़ती संख्या के कारण, कई सीटों पर उम्मीदवारी के लिए प्रतिस्पर्धा और बगावत की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जो महायुति के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है। मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष आशीष शेलार ने दावा किया है कि महायुति इस चुनाव में अधिकतम सीटों पर जीत दर्ज करेगी। ऐसे में आगामी चुनाव महायुति के लिए एक बड़ी परीक्षा होगी।

बीजेपी के पक्ष में बनती हवा

महाराष्ट्र चुनाव से पहले आया रिजल्ट पर सर्वे

मैटराइज सर्वे के मुताबिक महाराष्ट्र में भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी वाले गठबंधन 'महायुति' के राज्य में सरकार बनाने का अनुमान है। जबकि, कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को झटका लगने जा रहा है।

एमवीए को कितनी सीटें?

सर्वे के अनुसार महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से महायुति गठबंधन को 145-165 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं विपक्षी एमवीए को 106-126 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

सर्वे में कितना वोट शेयर?

वोट शेयर के मामले में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के विपक्ष पर भारी पड़ने की संभावना है। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 47 प्रतिशत वोट शेयर मिलने की संभावना है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 41% वोट शेयर मिलने की उम्मीद है। सर्वे में अन्य को 12% तक वोट शेयर मिलने के कयास लगाए गए हैं।

ठाणे-कोंकण में टूटेगा रिकॉर्ड?

मैटराइज के सर्वे में भाजपा को पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और ठाणे-कोंकण क्षेत्रों में भारी जनसमर्थन मिलता दिख रहा है। पश्चिमी महाराष्ट्र में बीजेपी को 48%, विदर्भ में 48% और ठाणे-कोंकण में 52% वोट शेयर मिलने की संभावना है।